आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650

इंदौर, बुधवार 15 जुलाई 2026
■ वर्ष : 5 ■ अंक : 222
■ पृष्ठ : 6 ■ मूल्य : 2

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत

dainikindoresanket.com
dainikindoresanket
dainikindoresanket
dainikindoresanket24@gmail.com

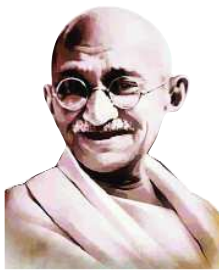

राष्ट्रपिता को नमन...

अंदर के पन्नों पर...

354 नोटिसों में 60 जवाब आए

पेज-2

स्टार हश्शलस पर जल्द आएगा नया शो 'सयोनी'

पेज-5

सीएम की मंजूरी, फिर भी नहीं छोड़ी कुर्सी

पेज-6

न्यूज ब्रीफ

- UP में हैं सबसे ज्यादा MSME यूनिट : CM योगी
- शुरुआती कारोबार में डॉलर के मुकाबले संभला रुपया ; 6 पैसे की मजबूती के साथ 96.10 पर पहुंचा
- भारत ने 'जबरन श्रम' से बने उत्पादों के आयात पर लगाई रोक, अमेरिका के साथ ट्रेड वॉर के बीच बड़ा कदम
- UP विधानसभा चुनाव से पहले बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत करने में जुटी BJP
- फीफा वर्ल्ड कप के दीवानों के लिए असम सरकार का बड़ा तोहफा, रात 3 :30 बजे तक खुलेंगे रेस्टोरेंट
- स्कूल जा रही छठी क्लास की बच्ची को बस ने कुचला, दिल्ली में दर्दनाक सड़क हादसा
- अमेरिका ने ईरान की नौसेना और मिसाइल साइटों को बनाया निशाना, 7 घंटे तक चला भीषण हवाई हमला
- हॉर्स ट्रेडिंग के जरिए हमारे MLAOs से दिलाया इस्तीफा, AIADMK का TVK पर गंभीर आरोप
- सुप्रीम कोर्ट में हंगामा करने वाले लखनऊ यूनिवर्सिटी के 2 छात्र गिरफ्तार, FIR दर्ज
- ट्रंप ने बेंजामिन नेतन्याहू से कहा- सीरिया और लेबनान से अपनी सेना हटाना शुरू करे इजरायल

एक ही धनुष बाण के दो शिकार... कुछ तुम अपनी कहो....कुछ हम अपनी कहें.....

सौजन्य मुलाकात या इंदौर की राजनीति का नया संदेश

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● इंदौर की राजनीति में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और महापौर पुष्यमित्र भार्गव की मुलाकात ने सत्ता के गलियारों में नई चर्चाओं को जन्म दे दिया है। इसकी सबसे बड़ी वजह यह है कि हाल के महीनों में नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय सार्वजनिक मंचों से कभी मुख्यमंत्री की कार्यशैली पर अप्रत्यक्ष सवाल उठा चुके हैं तो कभी महापौर पुष्यमित्र भार्गव को खुली नसीहत देने से भी नहीं चूके।

ऐसे समय में दोनों नेताओं का साथ दिखाई देना महज एक औपचारिक मुलाकात माना जाए या फिर यह भाजपा के भीतर बदलते शक्ति संतुलन का संकेत है, इसे लेकर राजनीतिक हलकों में तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं। इंदौर में कैलाश विजयवर्गीय की पकड़ किसी से छिपी नहीं है। ऐसे में जिन दो नेताओं पर उन्होंने अलग-अलग मौकों पर सार्वजनिक तौर पर नाराजगी जताई, उन्हीं दोनों का एक साथ आना कई राजनीतिक सवाल खड़े कर रहा है।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि भाजपा में मतभेद भले सार्वजनिक रूप से सामने न आते हों, लेकिन नेताओं के बयान और मुलाकातें अक्सर बड़े राजनीतिक संदेश छोड़ जाती हैं। ऐसे में यह मुलाकात भी केवल शिष्टाचार भर नहीं मानी जा रही है। भले ही सरकार की ओर से इसे विकास कार्यों और प्रशासनिक समन्वय से जुड़ी सामान्य बैठक बताया जा रहा हो, लेकिन भाजपा के भीतर इसे लेकर अलग-अलग राजनीतिक अर्थ निकाले जा रहे हैं। चर्चा यह भी है कि क्या यह मुलाकात यह संदेश देने की कोशिश है कि सरकार और स्थानीय नेतृत्व एक साथ खड़े हैं, या फिर यह इंदौर की राजनीति में किसी नए समीकरण की शुरुआत है। फिलहाल भाजपा की ओर से इस पर कोई राजनीतिक प्रतिक्रिया नहीं आई है, लेकिन एक तस्वीर ने इतना जरूर कर दिया है कि इंदौर की राजनीति में अटकलों का बाजार गर्म हो गया है। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि भाजपा के भीतर इन दिनों कई स्तरों पर शक्ति संतुलन की कवायद चल रही है। इंदौर, जो प्रदेश की राजनीति का महत्वपूर्ण केंद्र माना जाता है, वहां शीर्ष नेताओं की हर मुलाकात को सामान्य घटनाक्रम नहीं माना जाता। हालांकि, मुख्यमंत्री और महापौर की इस मुलाकात को आधिकारिक तौर पर विकास कार्यों और आगामी कार्यक्रमों की तैयारियों से जोड़कर देखा जा रहा है, लेकिन राजनीतिक हलकों में इसे अलग नजरिए से भी देखा जा रहा है। चर्चा है कि यह मुलाकात संगठन और सरकार के बीच बेहतर समन्वय का संदेश देने के साथ-साथ यह भी संकेत हो सकती है कि सार्वजनिक बयानों से इतर राजनीतिक रिश्तों की अपनी अलग दिशा होती है। अब निगाहें इस बात पर रहेंगी कि आने वाले दिनों में कैलाश विजयवर्गीय, मुख्यमंत्री मोहन यादव और महापौर पुष्यमित्र भार्गव के बीच राजनीतिक समीकरण किस दिशा में बढ़ते हैं और इसका असर इंदौर की राजनीति पर कितना पड़ता है।

मिल सकता है मुख्य सचिव अनुराग जैन को एक और एक्सटेंशन!

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● मध्य प्रदेश के मुख्य सचिव अनुराग जैन का विस्तारित कार्यकाल के बाद आगामी 31 अगस्त को खत्म हो रहा है। अब जबकि उनके विस्तारित कार्यकाल को डेढ़ माह से भी कम समय बचा है,पूरे प्रदेश में एक ही चर्चा है कि क्या उन्हें एक्सटेंशन मिलेगा या प्रदेश की इस सबसे बड़ी प्रशासनिक कुर्सी पर कोई नया चेहरा दिखाई देगा? जानकारों का कहना है कि इसके लिए अभी थोड़ा इंतजार और करना पड़ सकता है।

हालांकि जानकारों का मानना है कि मुख्य सचिव अनुराग जैन के रिटायरमेंट की तिथि जैसे-जैसे नजदीक आ रही है वैसे-वैसे उनके एक्सटेंशन मिलने की संभावना बढ़ती जा रही है। दरअसल इन दिनों मुख्यमंत्री से मुलाकात और बैठकों के दौरान जिस प्रकार अनुराग जैन की बॉडी लैंग्वेज दिखाई दे रही है उससे ऐसा लगता है कि वे एक्सटेंशन को लेकर आश्वस्त है और माना जा रहा है कि उनका एक्सटेंशन हो जाएगा।

फिर भी इसका खुलासा तो अगस्त आखरी में ही होगा कि अनुराग जैन को एक्सटेंशन या केंद्र या मध्य प्रदेश में ही पदस्थ कोई वरिष्ठ आईएएस अधिकारी 1 सितंबर को मुख्य सचिव की कुर्सी पर दिखाई देगा! अनुराग 3 अक्टूबर 2024 से मध्य प्रदेश के मुख्य सचिव के रूप में कार्यरत है। 1 सितंबर 2025 से उनका विस्तारित कार्यकाल चल रहा है जो अगस्त 2026 में पूरा हो रहा है।

संभाग और प्रदेश स्तर पर नए प्रवक्ताओं को नहीं मिल रहा राजनीतिक मंच

दिल्ली में 3 माह से अटकी कांग्रेस की टैलेंट हंट लिस्ट

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● प्रदेश कांग्रेस में नए प्रवक्ता बनाने के लिए जोर-शोर से चलाए गए टैलेंट हंट का अभियान तीन माह से ठंडा है। प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में साक्षात्कार के बाद भी लिस्ट जारी होने का नाम नहीं ले रही। पार्टी नेताओं में चयन को लेकर एकराय नहीं होने से लिस्ट दिल्ली में अटकी है। इस फेर में नए प्रवक्ताओं को राजनैतिक मंच भी नहीं मिल पा रहा है। प्रवक्ता बनने प्रदेशभर से करीब पांच सौ आवेदन आए थे। फरवरी 2026 में टैलेंट हंट शुरू हुआ और मार्च 2026 में संभाग स्तर पर इंटरव्यू लिए गए थे।

संभाग से लेकर राज्य स्तर पर हुए थे इंटरव्यू

नए प्रवक्ताओं के लिए पहले संभाग स्तर पर आवेदनों पर साक्षात्कार हुए थे, इसके बाद भोपाल में अलग-अलग राज्यों से आए वरिष्ठ नेताओं की कमेटी के समक्ष इंटरव्यू हुए थे। तब सवाल हुए थे कि कुछ लोगों के लिए पोर्टल खोला और फार्म भरे गए।

अध्यक्ष ने कहा था- बदलते दौर के लिए होगी नई टीम : प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा था कि ऐसे प्रवक्ताओं की जरूरत है, जो वैचारिक रूप से स्पष्ट, शोधपरक और संवाद कौशल में दक्ष हों। चयन पूरी तरह योग्यता के आधार पर होगा और प्रक्रिया पारदर्शी रहेगी।

इसलिए शुरू हुआ था टेलेंट हंट प्रोग्राम : प्रदेश कांग्रेस ने प्रवक्ता और मीडिया प्रतिनिधियों के चयन के लिए 'टैलेंट हंट प्रोग्राम' शुरू किया था। इसके 28 फरवरी तक आवेदन मांगे गए थे और योग्यता आधारित प्रक्रिया के तहत प्रदेश स्तर पर 20 प्रवक्ता और विभिन्न पदों पर चयन होना था।

बरसात का मौसम : बारिश गायब, उमस बेहिसाब!

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● मध्य प्रदेश में तेज बारिश का दौर थमने के बाद दिन का तापमान बढ़ गया है। कई शहरों में अधिकतम तापमान 35 डिग्री पार पहुंच गया है। इससे जुलाई में ही मार्च-अप्रैल जैसे मौसम का अहसास हो रहा है। अगले 5 दिन भारी बारिश होने का अनुमान कम है। ऐसे में पारे में और भी बढ़ोतरी हो सकती है।

मौसम केंद्र (IMD) भोपाल के मुताबिक- प्रदेश में पिछले 6 दिन से भारी या अति भारी बारिश नहीं हुई है। दिन में कई शहरों में बादल जरूर छा रहे हैं। इस वजह से प्रदेश के आधे से ज्यादा जिले में सामान्य से कम बारिश हुई है।

मौसम विभाग के अनुसार, प्रदेश में अब तक 241.8 मिमी (9.5) बारिश हो चुकी है, जो सामान्य बारिश के 260 मिमी (10.2) से 7% कम है।

होर्मुज बना ईरान-अमेरिका जंग की नई वजह

वाशिंगटन/तेहरान (एजेंसी) ● ईरान अब होर्मुज को अपना 'गोल्डन वेपन' मानता है। उसका मानना है कि इस समुद्री रास्ते पर पकड़ अमेरिका के खिलाफ सबसे बड़ा दबाव बनाने का जरिया है। करीब 25 साल तक परमाणु कार्यक्रम अमेरिका-ईरान विवाद का सबसे बड़ा मुद्दा था। लेकिन अब ईरान की प्राथमिकता होर्मुज पर अपना प्रभाव बनाए रखना और उसे मान्यता दिलाना बन गई है। दोनों देशों को लगता

है कि वे दबाव बढ़ाकर अपनी शर्तें मनवा सकते हैं। इसलिए अब टकराव सिर्फ परमाणु कार्यक्रम तक सीमित नहीं है। होर्मुज स्ट्रेट पर रणनीतिक बढ़त भी बड़ा मुद्दा बन गई है। ईरान मानता है कि होर्मुज पर उसकी पकड़ ही उसकी सबसे बड़ी रणनीतिक ताकत है। इसलिए वह इस मुद्दे पर पीछे हटने को तैयार नहीं है। कतर के अल-उदीद एयरबेस की सैटेलाइट तस्वीरों में अमेरिकी सेना के एक वेयरहाउस को नुकसान होने के संकेत मिले हैं। ईरानी मीडिया प्रेस टीवी ने वीडियो जारी कर दावा किया कि यह नुकसान ईरान के हालिया मिसाइल हमले के बाद हुआ। अल-उदीद अमेरिका का पश्चिम एशिया में सबसे बड़ा सैन्य अड्डा है।

पशुपालन विभाग में बदलाव
राज्यमंत्री से हटाई जिम्मेदारी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● मध्यप्रदेश सरकार ने मंत्रिमंडल में बड़ा प्रशासनिक बदलाव करते हुए राज्य मंत्री लखन पटेल से पशुपालन विभाग का प्रभार वापस ले लिया है। अब इस विभाग की जिम्मेदारी मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव स्वयं संभालेंगे। सरकार के इस फैसले के बाद राजनीतिक और प्रशासनिक गलियारों में चर्चाओं का दौर शुरू हो गया है। हालांकि विभाग में बदलाव के पीछे सरकार की ओर से कोई विस्तृत कारण सार्वजनिक नहीं किया गया है। माना जा रहा है कि आगामी योजनाओं और विभागीय कार्यों की निगरानी मुख्यमंत्री स्तर से की जाएगी। देखना होगा कि यह बदलाव केवल अस्थायी व्यवस्था है या फिर आगे मंत्रिमंडल में बड़े फेरबदल का संकेत भी साबित होता है।

रेडिएंट इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी पर छात्र का गंभीर आरोप

प्रवेश के नाम पर गुमराह कर फीस हड़पने का दावा, रिफंड से किया इनकार!

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● रेडिएंट इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी इंदौर एक बार फिर विवादों के घेरे में आ गया है। बीसीए (नष्ट) पाठ्यक्रम में प्रवेश लेने वाले एक छात्र ने संस्थान पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि प्रवेश के समय कॉलेज प्रबंधन द्वारा कई महत्वपूर्ण जानकारियां छिपाई गई और बाद में वास्तविक स्थिति पूरी तरह अलग निकली।

छात्र के अनुसार, प्रवेश के दौरान कॉलेज की ओर से जो सुविधाएं और व्यवस्थाएं बताई गई थीं, वे वास्तविकता से मेल नहीं खातीं। इतना ही नहीं, संस्थान का स्थान (लोकेशन) भी बदल दिया गया, जिसकी स्पष्ट जानकारी प्रवेश से पहले नहीं दी गई। छात्र का कहना है कि यदि उसे पहले सही जानकारी दी जाती, तो वह इस संस्थान में प्रवेश ही नहीं लेता। पीड़ित छात्र ने बताया कि उसने अभी तक कॉलेज की एक भी कक्षा अटेंड नहीं की है। परिस्थितियों को देखते हुए उसने समय रहते अपना प्रवेश निरस्त करने और जमा की गई फीस वापस करने का अनुरोध किया, लेकिन कॉलेज प्रबंधन ने फीस लौटाने से साफ इनकार कर दिया। इस मामले को लेकर छात्र ने संबंधित अधिकारियों के समक्ष शिकायत दर्ज कराते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की है। शिकायत में कॉलेज प्रबंधन पर छात्रों को भ्रमित करने, पारदर्शिता न बरतने और फीस वापसी से इनकार करने जैसे आरोप लगाए गए हैं। छात्र ने मांग की है कि मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए और यदि आरोप सही पाए जाते हैं तो कॉलेज को उसकी जमा की गई फीस वापस करने के निर्देश दिए जाएं। फिलहाल, इस मामले में रेडिएंट इंस्टिट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। अब देखना होगा कि संबंधित विभाग इस शिकायत पर क्या कार्रवाई करता है और छात्र को न्याय मिल पाता है या नहीं।

सीयूटी काउंसलिंग : एक पद के लिए दोगुना उम्मीदवारों ने कराया रजिस्ट्रेशन

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● मंगलवार शाम तक देवी अहिल्या विश्वविद्यालय (DAVV) की CUET-UG काउंसलिंग के लिए 4,800 से ज़्यादा उम्मीदवारों ने रजिस्ट्रेशन कराया, जबकि रजिस्ट्रेशन विंडो आधी रात को बंद होने वाली थी। यूनिवर्सिटी के अधिकारियों को उम्मीद है कि यह संख्या और बढ़ेगी, क्योंकि छात्र अंडरग्रेजुएट और इंटीग्रेटेड प्रोग्राम में एडमिशन के लिए आखिरी समय में रजिस्ट्रेशन पूरा कर रहे हैं।

सोमवार शाम तक मिले रजिस्ट्रेशन डेटा के अनुसार, ग्रुप B में सबसे ज़्यादा 2,926 आवेदन आए। इसके बाद ग्रुप C में 1,319,

ग्रुप E में 295 और ग्रुप D में 284 आवेदन मिले, जिससे कुल रजिस्ट्रेशन की संख्या 4,824 हो गई। ग्रुप B के लिए बहुत ज़्यादा उत्साह देखने को मिला। इस ग्रुप में DAVV के सबसे ज़्यादा पसंद किए जाने वाले प्रोफेशनल और इंटीग्रेटेड प्रोग्राम शामिल हैं, जैसे मैनेजमेंट साइंस, ई-कॉमर्स और फॉरेन ट्रेड में इंटीग्रेटेड MBA, BCom, BA (ऑनर्स) इकोनॉमिक्स, BBA (एविएशन), लॉजिस्टिक्स में BCom, और रिटेल ऑपरेशन्स और टूरिज्म मैनेजमेंट में BCom। एडमिशन अधिकारियों को उम्मीद है कि इस साल इन प्रोग्राम्स के लिए कट-ऑफ सबसे ज़्यादा रहेगी। DAVV, CUET-UG के ज़रिए 28 अंडरग्रेजुएट और इंटीग्रेटेड कोर्स में 2,205 सीटों पर एडमिशन दे रहा है। हालांकि कई टीचिंग डिपार्टमेंट में सीटें उपलब्ध हैं, लेकिन ज़्यादा डिमांड वाले कोर्स - जैसे MBA (मैनेजमेंट साइंस), BCom (ऑनर्स), BA LLB, इंटीग्रेटेड MBA (ई-कॉमर्स), BA (ऑनर्स) - की लगभग 650 सीटों के लिए सबसे कड़ा मुकाबला होने की उम्मीद है। इकोनॉमिक्स, इंटीग्रेटेड MBA (फॉरेन ट्रेड) और BCom (अकाउंटिंग और टैक्स मैनेजमेंट)।

न्यूज ब्रीफ

बिजली संबंधी शिकायतों का त्वरित निराकरण

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा विद्युत आपूर्ति संबंधी शिकायतों का तेजी से निराकरण कर उपभोक्ताओं से समाधान को लेकर फोन पर पुष्टि भी की जा रही है। पिछले चौबीस घंटे के दौरान ऊर्जस एप के माध्यम से 149 शिकायतों का त्वरित समाधान किया गया। वाट्सएप चैटबोट के माध्यम से 60, वाट्स एप नंबर के माध्यम से 2, सोशल मीडिया के माध्यम से 4 शिकायतों का समाधान किया गया। कंपनी स्तर पर उपभोक्ता शिकायत समाधान की दैनिक समीक्षा की जा रही हैं।

मुख्यमंत्री 15 जुलाई को करेंगे 'बलराम कृषि महोत्सव-2026' का शुभारंभ

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मध्यप्रदेश सरकार द्वारा वर्ष 2026 को 'कृषक कल्याण वर्ष' के रुप में मनाये जाने के उपलक्ष्य में प्रदेशभर में 15 जुलाई से 'बलराम कृषि महोत्सव-2026' का आयोजन किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव इस महोत्सव का राज्य स्तरीय शुभारंभ 15 जुलाई को दोपहर 2 बजे इंदौर से करेंगे। इसके पश्चात निर्धारित तिथियों में प्रदेश के सभी जिलों में इस तरह के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसी क्रम में इंदौर में लक्ष्मीबाई नगर अनाज मंडी में जिला स्तरीय भव्य कार्यक्रम आयोजित होगा।

महोत्सव का उद्देश्य किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों, उन्नत बीजों, नवीन कृषि उपकरणों तथा शासन की किसान हितैषी योजनाओं की जानकारी देकर खेती को अधिक लाभकारी एवं समृद्ध बनाना है। महोत्सव में कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन सहित इनसे जुड़े विभिन्न विभागों द्वारा प्रदर्शनी जाएगी।

354 नोटिसों में 60 जवाब आए, कई ने झाड़ा पल्ला, नोटरी से हुए नामांतरण भी जांच के घेरे में

नामांतरण घोटाले में मिले जवाब से अधिकारी भी हैरान

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● नगर निगम के बहुचर्चित नामांतरण घोटाले की जांच में रोज नए और चौंकाने वाले खुलासे सामने आ रहे हैं। जिन लोगों को फर्जी या संदिग्ध नामांतरण के मामलों में नोटिस भेजे गए थे, उनमें से कई के जवाब जांच अधिकारियों को भी हैरान कर रहे हैं। अब तक 354 लोगों को नोटिस जारी किए जा चुके हैं, जिनमें से केवल 60 लोगों ने जवाब प्रस्तुत किए हैं। सबसे दिलचस्प बात यह है कि कई लोगों ने दावा किया है कि उन्हें खुद नहीं पता कि किसी दूसरे की संपत्ति उनके नाम पर कैसे ट्रांसफर हो गई।

आमने-सामने होगी पूछताछ - जांच में यह भी सामने आया है कि कुछ मामलों में सिर्फ नोटरी

दस्तावेजों के आधार पर ही नामांतरण कर दिया गया, जबकि नियमानुसार ऐसा करना वैध नहीं माना जाता। नगर निगम प्रशासन ने ऐसे मामलों को गंभीर अनियमितता की श्रेणी में रखा है और इन्हें फर्जीवाड़े की आशंका से जोड़कर देखा जा रहा है। अपर आयुक्त आकाश सिंह ने स्पष्ट कहा है कि प्रारंभिक जांच में सामने आए कई मामले एफआईआर दर्ज करने योग्य हैं। उन्होंने संकेत दिए हैं कि यदि दस्तावेजों और जवाबों में गड़बड़ी की पुष्टि होती है तो संबंधित लोगों के साथ-साथ इस पूरे खेल में शामिल कर्मचारियों और बिचौलियों के खिलाफ भी आपराधिक कार्रवाई की जाएगी।

अब निगम प्रशासन अगला बड़ा कदम उठाएगा

अब निगम प्रशासन अगला बड़ा कदम उठाने जा रहा है। जिन लोगों ने जवाब दिए हैं और जिनके मामलों में गंभीर विसंगतियां मिली हैं, उन्हें आमने-सामने सुनवाई के लिए बुलाया जाएगा। इस प्रक्रिया में दस्तावेजों का मिलान, दावों की सत्यता और नामांतरण की पूरी प्रक्रिया की जांच की जाएगी। नगर निगम अधिकारियों का मानना है कि इस सुनवाई के बाद फर्जी नामांतरण के पूरे नेटवर्क, बिचौलियों और इसमें शामिल जिम्मेदार लोगों की परतें खुल सकती हैं। माना जा रहा है कि यह जांच आने वाले दिनों में शहर के सबसे बड़े संपत्ति घोटालों में से एक का खुलासा कर सकती है।

गैस पाइपलाइन विस्फोट की जांच में बीजेपी पार्षद सोनी ही जिम्मेदार, पुलिस बचा रही

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● 23 जून को वार्ड 31 में अवंतिका गैस लाइन के ऊपर ही बोरिंग करने से हुए ब्लास्ट में चार लोग झुलस गए। हादसे की निगम द्वारा कराई गई जांच रिपोर्ट में बीजेपी पार्षद बालमुकुंद सोनी सीधे तौर पर जिम्मेदार हैं। वहीं पुलिस अभी तक उन्हें बचाने में जुटी है। सत्ताधारी दल के नेता के लिए एक बार फिर पुलिस का ढीला रवैया सामने आया है। मामला 23 जून को वार्ड 31 में सुमन नगर में पार्षद बालमुकुंद सोनी द्वारा अवंतिका गैस लाइन पर ही बोरिंग करा देने का है, जिससे ब्लास्ट में चार लोग झुलस गए। इसे लेकर हाईकोर्ट इंदौर ने सख्ती की है और पुलिस की कार्यशैली पर नाराजगी जाहिर करते हुए एसीपी विजयनगर को तलब किया है। नगर निगम की जांच रिपोर्ट में सीधे तौर पर इसके लिए पार्षद बालमुकुंद सोनी (वार्ड 31) को जिम्मेदार माना गया है।

हाईकोर्ट में यह हुआ

इस हादसे के बाद अधिवक्ता रितेश इनानी ने जनहित याचिका दायर की है। इसके तहत घायलों को मुफ्त उपचार दिया जा रहा है और एक युवती को अहमदाबाद एयरलिफ्ट किया गया है। हाईकोर्ट में जिम्मेदारों पर कार्रवाई नहीं होने की बात भी उठी, इस पर पुलिस से जवाब मांगा गया। कोर्ट ने दस दिन में जांच पूरी करने के लिए कहा था लेकिन विजयनगर पुलिस ने कहा कि पार्षद बयान देने नहीं आ रहे हैं। वहीं जब्त मशीन छोड़ने पर भी नाराजगी जताई। अब इसमें अगली सुनवाई 20 जुलाई को होगी और एसीपी से जवाब मांगा है।

भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा इंदौर की महत्वपूर्ण बैठक सम्पन्न

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● आज भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जाति मोर्चा, इंदौर महानगर की परिचय एवं आगामी कार्ययोजना को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। बैठक में संभाग प्रभारी भगवती प्रसाद शिंदे एवं ओम प्रकाश मोहने, भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा प्रदेश मंत्री नितेश नरवाले तथा इंदौर जिला प्रभारी एवं उज्जैन महापौर मुकेश टटवाल की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस अवसर पर संगठन को और अधिक सशक्त बनाने, आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तय करने तथा कार्यकर्ताओं की सक्रिय भूमिका सुनिश्चित करने पर विस्तृत चर्चा की गई। सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं को संगठन हित में समर्पित भाव से कार्य करने का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ।

भोजशाला में सुप्रीम कोर्ट से स्टे नहीं, पास की जमीन पर कर सकेंगे जुमे की नमाज

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● धार भोजशाला मामले में सुप्रीम कोर्ट में लगी विविध तीन याचिकाओं में से एक पर सुप्रीम कोर्ट में मंगलवार को सुनवाई हुई। इसमें मुस्लिम पक्ष को परिसर के बाहर पास की जमीन पर हर शुक्रवार दो घंटे नमाज के लिए जगह देने के आदेश हुए हैं।

धार भोजशाला मामले में मंगलवार, 14 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। जेबरान अंसारी, फिरोज शेख और अयाज की याचिका पर यह मामला सुनवाई के लिए आया था। मुस्लिम पक्ष ने हाईकोर्ट इंदौर के फैसले पर रोक लगाने और पहले जैसी स्थिति बहाल करने की मांग की थी। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने इस मांग को खारिज कर दिया।

यह दी गई वैकल्पिक व्यवस्था-हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने यह व्यवस्था दी है कि परिसर के बाहर पास की जमीन पर नमाज

अदा की जा सकती है। इसके लिए हर शुक्रवार दोपहर 1 से तीन बजे तक की मंजूरी रहेगी। अब इस मामले में तीन सप्ताह बाद फिर सुनवाई होगी। जस्टिस जे. बागची और जस्टिस वी. मोहना ने केस की सुनवाई की। वहीं हिंदू पक्ष की ओर से विष्णु शंकर जैन, विनय जोशी, शासन की ओर से महाधिवक्ता (एजी) प्रशांत सिंह व अन्य अधिवक्ता उपस्थित थे।

15 मई को हुआ था फैसला- धार भोजशाला को लेकर इंदौर हाईकोर्ट का ऐतिहासिक फैसला 15 मई को आया था। इसमें हिंदुओं को पूजा का पूरा अधिकार मिला और साल 2003 के आदेश को रद्द कर दिया गया है। जस्टिस विजय शुक्ला और जस्टिस आलोक अवस्थी की बेंच ने 242 पेज का विस्तृत आदेश दिया था। इसमें परिसर को मां सरस्वती देवी के मंदिर के स्वरूप को मान्य किया है।

जल गंगा संवर्धन अभियान में प्रदेश में हुए उल्लेखनीय कार्य

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की जल संरक्षण एवं जल संवर्धन की परिकल्पना के अनुरूप मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश में 19 मार्च से 30 जून तक जल गंगा संवर्धन अभियान सफलतापूर्वक चलाया गया। अभियान के इस तृतीय चरण के अंतर्गत प्रदेश के गांव-गांव, नगर-नगर में जल संरक्षण एवं संवर्धन के कार्य जन सहयोग से व्यापक रूप से कराए गए। मुख्यमंत्री को जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट ने मंगलवार को मंत्रालय में अभियान के अंतर्गत संचालित विभिन्न गतिविधियों एवं कार्यों से संबंधित पुस्तिका भेंट की। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा अभियान की सफलता के लिए मंत्री सिलावट सहित विभाग की पूरी टीम को बधाई दी। इस अवसर पर विभाग के अपर मुख्य सचिव राजेश राजौरा भी उपस्थित थे।

डीएवीवी ने रेनोवेशन के कारण सेंट्रल लाइब्रेरी की स्पेशल मेंबरशिप रोकी

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● आर्थिक रूप से कमजोर बैकग्राउंड वाले सैकड़ों कॉम्पिटिटिव एग्ज़ाम की तैयारी करने वाले छात्र तब प्रभावित हुए जब देवी अहिल्या विश्वविद्यालय (डीएवीवी) ने 1 जुलाई से सेंट्रल लाइब्रेरी में अपनी स्पेशल लाइब्रेरी मेंबरशिप के रिन्यूअल को रोक दिया। यूनिवर्सिटी के अधिकारियों ने इस अस्थायी फैसले के पीछे तक्षशिला कैंपस में चल रहे रेनोवेशन के काम और बैठने की कम क्षमता का कारण बताया।

सेंट्रल लाइब्रेरी की स्पेशल मेंबरशिप स्कीम लंबे समय से MPPSC, UPSC, बैंकिंग, स्स्ट और दूसरी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले छात्रों को पढ़ाई के लिए सस्ती जगह देती रही है। रेगुलर यूनिवर्सिटी छात्रों के अलावा, बाहरी उम्मीदवार ?500 की एक बार रिफंडेबल सिक्योरिटी डिपॉजिट और सिर्फ़ ?40 की सालाना फीस देकर स्पेशल मेंबरशिप ले सकते थे, जिससे यह शहर में पढ़ाई की सबसे सस्ती सुविधाओं में से एक बन गई थी। छात्रों के अनुसार, मेंबरशिप रिन्यूअल बंद होने से 200 से ज़्यादा बाहरी सदस्य सीधे तौर पर प्रभावित हुए। कई लोगों ने बताया कि उनकी मेंबरशिप 30 जून को खत्म हो गई थी और जब वे रिन्यूअल के लिए लाइब्रेरी गए तो उन्हें लौटा दिया गया। MPPSC की तैयारी कर रहे अनिल मोरे ने कहा, 'रेनोवेशन की वजह से सेल्फ-स्टडी सेंटर पहले ही बंद हो चुका था। अब स्पेशल मेंबरशिप भी सस्पेंड कर दी गई है। हम प्राइवेट लाइब्रेरी की ज़्यादा फीस नहीं दे सकते।' कई छात्रों ने कहा कि उन्होंने यूनिवर्सिटी प्रशासन के सामने यह मुद्दा उठाया और मांग की कि मेंबरशिप की सुविधा फिर से शुरू की जाए या रेनोवेशन का काम पूरा होने तक कोई वैकल्पिक व्यवस्था की जाए। MPPSC की एक और उम्मीदवार, प्रिया ताम्हणे ने कहा, 'हममें से कई लोगों के लिए DAVV लाइब्रेरी ही एकमात्र ऐसी सस्ती जगह थी जहाँ हम रोज़ाना 8 से 10 घंटे पढ़ाई कर सकते थे। प्राइवेट लाइब्रेरी का किराया महीने का 800 से 2,000 रुपये तक होता है, जो हमारी पहुँच से बाहर है। हमें उम्मीद है कि यूनिवर्सिटी रेनोवेशन का काम पूरा होने तक कोई अस्थायी समाधान निकालेगी।' छात्रों की चिंताओं का जवाब देते हुए सेंट्रल लाइब्रेरी के हेड तुषार बनर्जी ने साफ़ किया कि यह सुविधा स्थायी रूप से बंद नहीं की गई है। उन्होंने बताया कि लाइब्रेरी की ऊपरी मंज़िलों पर रेनोवेशन के काम के कारण बैठने की क्षमता काफ़ी कम हो गई है,

दस्तक अभियान का शुभारंभ

बच्चों के स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिए जिलेभर में चलेगा विशेष अभियान

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● प्रदेशव्यापी दस्तक अभियान का शुभारंभ सोमवार को जिले में भी किया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. माधव प्रसाद हसनानी के निर्देशन में जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. तरुण गुप्ता ने अभियान का शुभारंभ किया। इसके साथ ही जिले के सभी शहरी एवं ग्रामीण विकासखंडों में भी अभियान प्रारंभ कर दिया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. हासानी ने बताया कि अभियान का उद्देश्य 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों तक स्वास्थ्य एवं पोषण संबंधी सेवाएं प्रभावी रूप से पहुंचाना है। इसके लिए आशा, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं एएनएम के माध्यम से घर-घर जाकर बच्चों की स्वास्थ्य जांच की जाएगी।

कॉस्मेटिक सर्जरी को लेकर जागरूक रहने की जरूरत

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● प्लास्टिक सर्जरी का नाम सुनते ही अधिकतर लोगों के मन में केवल सुंदरता बढ़ाने या फिल्मी सितारों की कॉस्मेटिक सर्जरी की

तस्वीर उभरती है, जबकि आधुनिक दौर में कॉस्मेटिक सर्जरी केवल सौंदर्य तक सीमित नहीं रह गई है। यह जन्मजात विकृतियों को सुधारने, दुर्घटना या उम्र बढ़ने से आए शारीरिक बदलावों को बेहतर करने और व्यक्ति का आत्मविश्वास बढ़ाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। मेदांता सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल के कॉस्मेटिक व प्लास्टिक सर्जन डॉ. रवि बिलूनिया के अनुसार कॉस्मेटिक सर्जरी का उद्देश्य केवल बेहतर दिखना नहीं, बल्कि उन शारीरिक बदलावों को सुधारना भी है जो किसी व्यक्ति के आत्मविश्वास और जीवन की गुणवत्ता को प्रभावित करते हैं।

रोहित आई हॉस्पिटल में 'कॉर्निया क्लिनिक' का शुभारंभ

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● चिकित्सा और नेत्र देखभाल के क्षेत्र में विश्वसनीयता व आधुनिकता का पर्याय बन चुके 'रोहित आई हॉस्पिटल' ने आज अपनी स्थापना के 35 गौरवशाली वर्ष पूरे कर लिए हैं। इस ऐतिहासिक अवसर पर अस्पताल परिसर में एक सादे और गरिमापूर्ण समारोह का आयोजन किया गयाजिसमें केक काटकर अस्पताल के इस शानदार सफर को याद किया गया। उल्लेखनीय है कि 35 वर्ष पूर्व, 14 जुलाई 1991 को रोहित आई हॉस्पिटल की स्थापना के समय भी डॉ. पी एस हार्डिया ने अपने शुभ आशीर्वाद से इस चिकित्सा यात्रा का शुभारंभ किया था।

यह ऐतिहासिक दिन अस्पताल के लिए एक और बड़े मील का पत्थर साबित हुआ। अस्पताल के मेडिकल डायरेक्टर डॉ. ओ.पी. अग्रवाल के सुपुत्र डॉ. रक्षित अग्रवाल (जिन्होंने हाल ही में कॉर्निया में अपनी सुपर-स्पेशियलिटी फेलोशिप पूरी की है) ने अस्पताल में नए 'कॉर्निया क्लिनिक' की शुरुआत की। इस अत्याधुनिक क्लिनिक का उद्घाटन डॉ श्रीमती विद्या अग्रवाल, डायरेक्टर रोहित आई हॉस्पिटल हाथों संपन्न हुआ। यह क्षण केवल एक उद्घाटन के साथ चिकित्सा सेवा की उस विरासत का उत्सव था, जो एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक पूरे सम्मान और समर्पण के साथ आगे बढ़ रही है।

जावा येज़्दी दिवस ने अपना 24वां संस्करण मनाया

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● अंतर्राष्ट्रीय जावा-येज़्दी दिवस (आईजेवाईडी), जो कि दुनिया की सबसे पुरानी और राइडर्स के नेतृत्व वाली मोटरसाइकिल परंपराओं में से एक है, ने 12 जुलाई को अपना 24वां संस्करण मनाया। जावा और येज़्दी के मालिकों के बीच एक जमीनी स्तर की पहल के रूप में शुरू हुआ यह कार्यक्रम अब एक वैश्विक आंदोलन का रूप ले चुका है। आज, यह मोटरसाइकिलिंग, विरासत और समुदाय के प्रति साझा प्रेम के माध्यम से विभिन्न पीढ़ियों के राइडर्स को एक साथ लाता है।

छह नेक्स्ट-जेनरेशन इनोवेशन पेश किए

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● क्रिस्टल क्रॉप प्रोटेक्शन लिमिटेड ने आज खरीफ 2026 सीज़न के लिए छह नेक्स्ट-जेनरेशन इनोवेशन लॉन्च करने की घोषणा की। बदलते कीड़ों के दबाव, मौसम के बदलते पैटर्न और बीमारियों के बदलते डायनामिक्स को ध्यान में रखकर डिज़ाइन किया गया।

जिंदा मां को मरा बता दिए एसडीएम, 100 करोड़ की जमीन की अपील कर दी खारिज

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर कलेक्टोरेट में अजीबोगरीब फैसला हुआ है। एक बेटी ने 100 करोड़ की जमीन को लेकर अपील की और बताया कि तहसील कोर्ट में मेरी जमीन अन्यों ने गलत नामांतरण करके ले ली। मेरी मां जिंदा है लेकिन एसडीएम ने कहा कि नहीं तुम्हारी मां मर चुकी है।

द्रौपदी बाई ने थाने में बताया कि उनके पति की बीजलपुर (राऊ तहसील) में 5.647 हेक्टेयर जमीन थी। इसकी कीमत आज करीब 100 करोड़ रुपए होती है। पति की मौत के बाद ससुराल वाले उन्हें कलेक्टोरेट ले गए और क्योंकि वह अनपढ़ हैं तो कुछ कागजों पर अंगूठा लगवाया। द्रौपदी बाई ने कहा कि बाद में जब मेरी बेटी सुनीता ने जमीन के रिकॉर्ड निकलवाए तो पता चला कि वह जमीन मेरे नाम नहीं है और किसी अन्य के नाम हो चुकी है। मेरे साथ धोखाधड़ी की गई है। इस मामले में द्रौपदी बाई की बेटी सुनीता पति सुभाष ने एसडीएम कोर्ट में अपील की। इसमें सुनवाई हुई। सूचना का प्रकाशन हुआ। इसके बाद 17 सितंबर 2024 को एसडीएम राऊ द्वारा अजीबोगरीब फैसला दिया गया। इसमें एसडीएम ने कहा था कि इस केस में पता चला कि द्रौपदी बाई की मौत हो चुकी है और उनकी जमीन अन्य को बेची जा चुकी है।

जिंदा मां को मरा बता दिए एसडीएम

दरअसल इंदौर के राजेंद्रनगर थाने ने 26 जून को द्रौपदी बाई पति स्वर्गीय रणछौड़दास चौधरी के आवेदन पर दर्जन भर आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज किया था। इसमें एक आरोपी लाखन चौधरी भी है जो मध्यप्रदेश के हनी ट्रैप पार्ट टू (एमपी हनी ट्रैप पार्ट 2) में आरोपी होने के कारण जेल में बंद है। द्रौपदी बाई ने बेटी सुनीता के साथ थाने में जाकर आवेदन दिया और इस पर धोखाधड़ी का केस दर्ज हुआ। आश्चर्यजनक बात यह है कि इस महिला को मृत बताया गया है। यहां तक कि एसडीएम ने आदेश में लिखा कि अपील करने वाली बेटी ने झूठ बोला और यह तथ्य छिपाया कि उनकी मां मर चुकी है।

किसान बंधु प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में अपनी अधिसूचित फसल का बीमा 31 तक अवश्य कराएं

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● किसान बंधु वर्ष 2026 में अल-नीनो के संभावित प्रभाव से अनियमित वर्षा एवं प्राकृतिक आपदाओं की संभावना को देखते हुए अपनी खरीफ फसल की सुरक्षा सुनिश्चित करें। किसाान कल्याण विभाग ने किसान बंधुओं से अपील की है कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में अपनी अधिसूचित फसल का बीमा 31 जुलाई 2026 तक अवश्य कराएं। फसल बीमा प्राकृतिक आपदा, सूखा, अतिवृष्टि एवं मौसम के कारण होने वाले अन्य जोखिमों से होने वाली आर्थिक हानि से सुरक्षा प्रदान करता है।

किसान बंधु अंतिम तिथि का इंतजार न करें, आज ही निकटतम बैंक शाखा, ग्राहक सेवा केन्द्र, फसल बीमा पोर्टल, फसल बीमा ऐप एवं अधिकृत बीमा कंपनी के मध्यवस्थन के माध्यमम से फसल बीमा कराएं।

शाइन डॉट कॉम पर नौकरी खोजी, 17 हजार की ठगी

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● हीरानगर थाना क्षेत्र में नौकरी दिलाने के नाम पर ऑनलाइन ठगी का मामला सामने आया है। पेंट कंपनी में सिस्टम ऑपरेटर के रूप में काम करने वाले युवक से डाबर इंडिया लिमिटेड में नौकरी दिलाने का झांसा देकर 17,800 रुपए ठग लिए गए। शिकायत के बाद पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक स्वास्थ्य नगर निवासी कार्तिक शर्मा ने शिकायत दर्ज कराई है। कार्तिक एक पेंट कंपनी में सिस्टम ऑपरेटर हैं और बेहतर नौकरी की तलाश में उन्होंने शाइन डॉट कॉम पर अपना प्रोफाइल बनाया था। 8 जुलाई को कार्तिक के पास एक मैसेज आया, जिसमें डाबर इंडिया लिमिटेड में असिस्टेंट मैनेजर (स्टोर एग्जीक्यूटिव) पद पर नौकरी का ऑफर दिया गया। साथ ही एक मोबाइल नंबर देकर संपर्क करने को कहा गया। बातचीत के दौरान पहले वॉइस इंटरव्यू लिया गया। इसके बाद खुद को अहमदाबाद स्थित डाबर का सीनियर मैनेजर बताने वाले व्यक्ति से कॉल पर बात कराई गई। उसने कार्तिक को चयनित होने की जानकारी दी। आरोपियों ने पहले यूनिफॉर्म के नाम पर 2 हजार रुपए ऑनलाइन जमा कराए। इसके बाद जॉब कन्फर्मेशन लेटर जारी करने के लिए 15,800 रुपए और मांगे। कार्तिक ने दोनों रकम ऑनलाइन ट्रांसफर कर दी।

प्रॉपर्टी ब्रोकर का बिल्डिंग से गिरने का वीडियो, हादसे से पहले मिलकर गए थे 3 दोस्त

इंदौर ● श्याम पैलेस होटल में दूसरी मंजिल से गिरकर प्रॉपर्टी ब्रोकर जीतू साहू की हुई मौत का सीसीटीवी वीडियो मंगलवार को सामने आया है। रविवार अलसुबह हुई इस घटना में जीतू होटल की दूसरी मंजिल से गिरता दिखाई दे रहा है। पुलिस ने फुटेज जब्त कर जांच शुरू कर दी है। जांच में सामने आया है कि हादसे से करीब 30 मिनट पहले जीतू से मिलने उसके तीन दोस्त होटल पहुंचे थे। तीनों रात करीब साढ़े तीन बजे होटल से चले गए थे।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत
इंदौर, बुधवार 15 जुलाई 2026

न्यूज ब्रीफ

अग्रवाल समाज की प्रतिष्ठा को नए आयाम प्रदान करने के साथ जय श्यामजी पैनल मैदान में उतरी

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● अग्रवाल समाज की शीर्ष संस्था श्री अग्रवाल समाज केन्द्रीय समिति के 26 जुलाई को होने वाले द्विवार्षिक चुनाव में समाज के अनुभवी, ऊर्जावान और बेदाग छवि के समर्पित सेवाभावी बंधुओं ने 'जय अग्रसेन खाटू श्यामजी पैनल' के नाम से चुनाव मैदान में उतरने का निश्चय किया है। समाज के अंतिम छोर पर खड़े बंधु से लेकर समाज की प्रतिष्ठा को नई ऊंचाई और नए आयाम प्रदान करने के पवित्र संकल्प के साथ इस पैनल के सभी 21 उम्मीदवारों ने मंगलवार को खजराना गणेश मंदिर पहुंचकर गणेशजी एवं कुलदेवी महालक्ष्मी से समाज में खुशहाली, सदभाव और समृद्धि के साथ ही सबको सदबुद्धि देने की प्रार्थना की।

श्री राम मंदिर पंचकुइया में गुरु पूर्णिमा महोत्सव 29 जुलाई को

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● पंचकुइया स्थित श्री राम मंदिर आश्रम में गुरु पूर्णिमा महोत्सव 29 जुलाई को मनाया जाएगा। 304 वर्षों की प्राचीन गुरु गादी और चरण पादुका का पूजन होगा। गुरु पूर्णिमा पर सबसे पहले साकेतवासी महामंडलेश्वर लक्ष्मणदास महाराज सहित पूर्व श्रीमहंतो का पाद पूजन होगा, उसके बाद वर्तमान पंचकुइया पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर रामगोपालदास महाराज का गुरु पाद पूजन शिष्य करेंगे। गुरु पूर्णिमा पर्व पर सुबह 08 बजे गुरु गादी परंपरा के अनुसार इस मंदिर के प्रथम श्रीमहंत प्रहलादास महाराज, द्वितीय श्रीमहंत ठाकुरदास महाराज, तृतीय श्रीमहंत मोहनदास महाराज, चतुर्थ श्रीमहंत बालमुकन्ददास महाराज और पांचवें श्रीमहंत श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर लक्ष्मणदास महाराज की चरण पादुका का पूजन वेद मंत्रों के बीच किया जाएगा। उसके पश्चात मंदिर के पीठाधीश्वर महामण्डलेश्वर रामगोपालदास महाराज का साधु संतो के सानिध्य में आचार्य व पंडितों के वैदिक मन्त्रोच्चार से भक्तों द्वारा गुरु पाद पूजन विधि विधान से किया जाएगा व महाराज का तिलक लगाकर भक्त आरती उतारेंगे व भक्तों को गुरु दीक्षा का मंत्र भी दिया जाएगा। भगवान टीकमजी महाराज का दरबार भी मोगरे के फूलों से सजेगा। गुरु पाद पूजन का सिलसिला सुबह 9 बजे से देर शाम लगातार चलेगा।

नेमावर में आषाढ़ अमावस्या पर हजारों श्रद्धालुओं ने किया स्नान

दैनिक इंदौर संकेत

देवास ● मंगलवार को आषाढ़ अमावस्या के अवसर पर नेमावर में हजारों श्रद्धालुओं ने मां नर्मदा में आस्था की डुबकी लगाई। देवास, सीहोर, हरदा, खंडवा सहित आसपास के कई जिलों से भक्त यहां पहुंचे। सुबह से ही नर्मदा घाटों पर श्रद्धालुओं का आना शुरू हो गया था, जो देर शाम तक जारी रहा। सिद्धनाथ घाट और पेढ़ी घाट सहित अन्य प्रमुख घाटों पर श्रद्धालुओं ने पवित्र स्नान किया। स्नान के उपरांत उन्होंने सूर्य देव को अर्घ्य अर्पित कर पूजा-अर्चना की तथा परिवार की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, आषाढ़ अमावस्या पर नर्मदा स्नान से पुण्य की प्राप्ति होती है और जीवन में सुख-समृद्धि आती है। स्नान के बाद भक्तों ने सिद्धनाथ मंदिर और अन्य मंदिरों में दर्शन-पूजन और अभिषेक किया। घाटों पर शंखनाद, मंत्रोच्चार और भजनों की गूंज से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया था। कई श्रद्धालुओं ने अपने पितरों की आत्मा की शांति के लिए तर्पण किया। इसके अतिरिक्त, साधु-संतों, ब्राह्मणों और जरूरतमंदों को अन्न, वस्त्र और फलों का दान भी दिया गया।

गुप्त नवरात्र : जुटेंगे तांत्रिक - उज्जैन, नलखेड़ा और दतिया में रहेगा जमावड़ा

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● आषाढ़ मास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से बुधवार, 15 जुलाई से गुप्त नवरात्र की शुरुआत हो गई। इस बार गुप्त नवरात्र पुष्य नक्षत्र, हर्षल योग और कर्क राशि के चंद्रमा की साक्षी में बन रहे गजकेसरी योग में प्रारंभ हो रहे हैं, जिससे इसका धार्मिक महत्व और बढ़ गया है। मप्र के उज्जैन, नलखेड़ा और दतिया में 9 दिनों तक तांत्रिक साधकों का विशेष जमावड़ा रहेगा। उज्जैन के चक्रतीर्थ और ओखलेश्वर श्मशान, विक्रांत भैरव मंदिर, भैरवगढ़, नलखेड़ा के मां बगलामुखी मंदिर तथा दतिया के मां पीतांबरा पीठ में देशभर से साधक तंत्र साधना के लिए पहुंचेंगे। वहीं, 51 शक्तिपीठों में शामिल उज्जैन के हरसिद्धि मंदिर में भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन और पूजन के लिए आएंगे।

ज्योतिषाचार्य पंडित अमर डिब्बेवाला के अनुसार श्रीमद् देवी भागवत महापुराण में वर्ष भर में चार नवरात्र बताए गए हैं। इनमें आषाढ़ और माघ मास के नवरात्र गुप्त, जबकि चैत्र और अश्विन मास के नवरात्र प्रकट नवरात्र कहलाते हैं। गुप्त नवरात्र विशेष रूप से साधना, उपासना और गुप्त विद्याओं की सिद्धि के लिए महत्वपूर्ण माने जाते हैं। साधक अपने संकल्प के अनुसार विभिन्न प्रकार की साधनाएं करते हैं।

दो सर्वार्थ सिद्धि और तीन रवि योग का संयोग

गुप्त नवरात्र के दौरान दो सर्वार्थ सिद्धि योग और तीन रवि योग बनेंगे। शास्त्रों के अनुसार इन योगों में नए कार्यों की शुरुआत, बैंकिंग, टेक्नोलॉजी, ऑफिस शिफ्टिंग, व्यवसाय विस्तार और अन्य शुभ कार्य करना लाभकारी माना जाता है। 22 जुलाई को गुप्त नवरात्र का समापन होगा। इसी दिन भड्डुली नवमी भी रहेगी, जिसे अबूझ मुहूर्त माना जाता है। हालांकि गुरु तारा अस्त होने के कारण विवाह जैसे मांगलिक कार्य नहीं किए जाएंगे।

रात 12 से सुबह 4 बजे तक होती है तंत्र साधना

गुप्त नवरात्र में श्मशानों में तंत्र साधना मध्यरात्रि 12 बजे से सुबह 4 बजे तक की जाती है। इसे निशांत वेला और ब्रह्म मुहूर्त की साधना माना जाता है। पंडित डिब्बेवाला के अनुसार तंत्र क्रियाएं राष्ट्र कल्याण, प्रकृति संतुलन, आत्मकल्याण, संकटों से मुक्ति और मानव कल्याण के उद्देश्य से की जाती हैं। किसी के अहित के लिए की गई साधना सफल नहीं मानी जाती। जो लोग तंत्र साधना नहीं करते, वे भी गुप्त नवरात्र में माता दुर्गा की उपासना कर सकते हैं। दुर्गा सप्तशती, दुर्गा कवच, रात्रि सूक्त तथा देवी मंत्रों का पाठ कर सामान्य श्रद्धालु भी माता की कृपा प्राप्त कर सकते हैं।

तंत्र साधना में इन सामग्रियों का होता है उपयोग

तंत्र साधना में आम की लकड़ी, काले तिल, लौंग, गुग्गुल, लोबान, कपूर, शुद्ध देसी घी, रुद्राक्ष, स्फटिक, हकीक या काले मूंगे की माला, काली हल्दी की माला, अष्टगंध, भोजपत्र, चौमुखा दीपक, कलश, नारियल, लाल चुनरी, गंगाजल, देवी यंत्र एवं महाविद्या की प्रतिमा, लाल या काले रंग का आसन सहित अन्य पूजन सामग्री का उपयोग किया जाता है। साधना का क्रम प्रतिदिन रात 12 बजे से सुबह 4 बजे तक चलता है।

मिशन कौन्तेय-9 में 8 देशों के छात्र, बीएसएफ परिवारों सहित देशभर के लगभग 800 विद्यार्थी शामिल

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● डॉ. निशा जोशी द्वारा आयोजित नि:शुल्क योग टीचर ट्रेनिंग सर्टिफिकेट कोर्स बना रहा है अपनी अंतरराष्ट्रीय पहचान। मिशन कौन्तेय-9 के नौवें बैच का शुभारंभ बीएसएफ परिवारों, 8 देशों के विद्यार्थियों तथा भारत के लगभग सभी राज्यों से जुड़े लगभग 800 विद्यार्थियों के साथ हुआ।

नि:शुल्क योग शिक्षा के क्षेत्र में डबल पीएचडी डॉ. निशा जोशी के मार्गदर्शन में मिशन कौन्तेय-9 नि:शुल्क योग टीचर ट्रेनिंग सर्टिफिकेट कोर्स के नौवें बैच का शुभारंभ हो गया है। इस वर्ष ऑनलाइन एवं ऑफलाइन दोनों माध्यमों से प्रवेश प्रक्रिया संपन्न हुई, जिसमें भारत के लगभग सभी राज्यों तथा 8 देशों के विद्यार्थियों सहित लगभग 800 छात्र-छात्राओं ने पंजीयन कराया है साथ ही इंदौर व महू के 42 छात्र ऑफलाइन कोर्स करेंगे इस बैच की विशेषता यह है कि सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के अधिकारियों, जवानों, महिलाओं एवं उनके परिवारों के सदस्य भी इस राष्ट्रीय स्तर के योग शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम से जुड़कर प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। इससे योग शिक्षा और स्वस्थ जीवनशैली का संदेश देश के सुरक्षा परिवारों तक भी पहुँच रहा है। कोर्स की ऑनलाइन कक्षाएँ यूट्यूब लाइव तथा जूम के माध्यम से तथा ऑफलाइन कक्षाएँ नियमित रूप से संचालित की जा रही हैं। इससे पूर्व मिशन कौन्तेय के विभिन्न बैचों में सैकड़ों विद्यार्थियों ने प्रशिक्षण पूर्ण कर प्रमाण-पत्र प्राप्त किए हैं और समाज में योग के प्रचार-प्रसार का कार्य कर रहे हैं। यह अभियान निशा जोशी योग अकादमी एवं योग गंगा योगिक साइंटिफिक एंड स्पिरिचुअल रिसर्च फाउंडेशन द्वारा संचालित किया जा रहा है। डॉ. निशा जोशी योग एवं दर्शन में डबल पीएचडी, यूजीसी-नेट (योग) उत्तीर्ण तथा लगभग 20 वर्षों के अध्यापन अनुभव से समृद्ध शिक्षिका हैं।

आजीविका मिशन से टेक होम राशन की जिम्मेदारी वापस ली, महिला एवं बाल विकास करेगा सप्लाई

भोपाल (एजेंसी) ● मध्य प्रदेश में आंगनबाड़ी में 6 महीने से 3 साल तक के बच्चों को मिलने वाले टेक होम राशन की व्यवस्था बदल दी गई है। अब टेक होम राशन की जिम्मेदारी महिला एवं बाल विकास विभाग संभालेगा। मंगलवार को हुई कैबिनेट बैठक में यह फैसला लिया गया। भोपाल में 21 जुलाई से शुरू होने वाले विधानसभा सत्र से पहले 18 जुलाई को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में कैबिनेट बैठक होगी। बैठक भोपाल जिले के जगदीशपुर (पूर्व नाम इस्लाम नगर) में आयोजित की जाएगी। इसमें समान नागरिक संहिता के मसौदे को मंजूरी दी जाएगी। इसके बाद इसे विधानसभा में विधेयक के रूप में पेश किया जाएगा। कैबिनेट की

बैठक के दौरान जब महिला बाल विकास विभाग की प्रस्ताव पर आंगनबाड़ी केंद्रों में टेक होम राशन सिस्टम में बदलाव का प्रस्ताव रखा गया तो पंचायत और ग्रामीण विकास विभाग के मंत्री प्रहलाद पटेल ने इसका विरोध किया। बताया जाता है कि मंत्री पटेल ने कहा कि पूर्व में तय की गई सब व्यवस्था के अंतर्गत सात प्लांट लगाए गए हैं और अगर ऐसा होता है तो उन प्लांट्स का क्या होगा? उन्होंने इस प्रक्रिया को उचित न बताते हुए ग्रामीण आजीविका मिशन के पास ही यह व्यवस्था रहने का सुझाव दिया लेकिन इसे स्वीकार नहीं किया गया। मुख्यमंत्री ने कैबिनेट बैठक में सभी मंत्रियों से कहा कि वे विधानसभा सत्र के लिए पूरी तैयारी रखें। हर सवाल का तथ्यात्मक जवाब दें, ताकि जनता तक यह संदेश जाए कि सरकार उनके हित में लगातार काम कर रही है।

सिंहस्थ की तैयारियों को झटका, बारिश में ढहा 2.18 करोड़ का सिरोंज बैराज

भोपाल (एजेंसी) ● सिंहस्थ की महा तैयारियों को पहली ही बारिश में बड़ा झटका लगा है। क्षिप्रा नदी पर हाटपिपल्या विधानसभा क्षेत्र के ग्राम होशियारी और मकोडिया के बीच बन रहा सिरोंज बैराज कम काजवे डेम 9 जुलाई को हुई तेज बारिश में क्षतिग्रस्त हो गया। इस गंभीर मामले में जल संसाधन मंत्री तुलसी सिलावट के सख्त निर्देश के बाद विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है। सोमवार को प्रमुख अभियंता विनोद कुमार देवड़ा ने देवास उपसंभाग की अनुविभागीय अधिकारी (एसडीओपी) नेहा दुबे और दो उपयंत्रियों (सब-इंजीनियरों) जितेंद्र पाटिल व रोहित सोनी को तत्काल प्रभाव से निलंबित (सस्पेंड) कर दिया है।

ग्वालियर की निर्माण एजेंसी मेसर्स कटारे एंड कंपनी के साथ 2.18 करोड़ रुपए की लागत से इस बैराज का अनुबंध किया गया था। निर्माण में गंभीर तकनीकी खामियों की वजह से यह संरचना 9 जुलाई 2026 को हुई पहली भारी बारिश का दबाव भी नहीं झेल सकी। पानी के तेज बहाव में बैराज की सुरक्षा दीवार (विंगवॉल) ढह गई और डाउनस्ट्रीम (बांध के नीचे का हिस्सा) में बैक फिलिंग की मिट्टी बह गई। मुख्य अभियंता (जल संसाधन विभाग, उज्जैन) ने 13 जुलाई 2026 को बैराज का निरीक्षण कर अपनी रिपोर्ट सौंपी, जिसमें तबाही के तीन मुख्य तकनीकी कारण सामने आए हैं:

अपर्याप्त पाइप - पानी की सुचारू निकासी के लिए बैराज में जितनी संख्या में आरसीसी पाइप लगाए जाने चाहिए थे, उतने नहीं लगाए गए।

जल निकासी में अवरोध - बैराज समर्सिबल (पानी में डूबने वाला) था, लेकिन इसकी ऊंचाई तय मानकों से अत्यधिक रख दी गई। इस वजह से प्राकृतिक जल निकासी पूरी तरह बाधित हो गई।

भारी कटाव - पानी का निकास रुकने के कारण नदी का जल स्तर बढ़ा और पानी बैराज के ऊपर से (ओवरफ्लो) बहने लगा। इस जांच रिपोर्ट के बाद मप्र सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम 1966 के नियम-9 (1) (क) के तहत तीन अधिकारियों पर गाज गिरी है: नेहा दुबे - अनुविभागीय अधिकारी जल संसाधन उपसंभाग, देवास। 2. जितेन्द्र पाटिल - उपयंत्री । 3. रोहित सोनी - उपयंत्री। निलंबन अवधि के दौरान इन तीनों अधिकारियों को देवास से हटाकर कार्यालय मुख्य अभियंता, चंबल बेतवा कछार जल संसाधन विभाग, भोपाल में अटैच किया गया है।

धार में 6 दिन से बारिश थमी, किसान चिंतित, सोयाबीन फसल पर संकट

दैनिक इंदौर संकेत

धार ● धार और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में पिछले छह दिनों से बारिश नहीं होने के कारण खरीफ फसलों पर संकट गहराने लगा है। मानसून की शुरुआत में हुई अच्छी बारिश से किसानों को बेहतर उत्पादन की उम्मीद थी, लेकिन अब बारिश थमने और तेज धूप-उमस के कारण खेतों की नमी तेजी से कम हो रही है। इसका सबसे अधिक असर सोयाबीन की फसल पर पड़ रहा है। किसानों का कहना है कि सोयाबीन इस समय बढ़वार के महत्वपूर्ण चरण में है। ऐसे समय पर्याप्त बारिश नहीं होने से पौधों का विकास रुक सकता है। नमी की कमी के कारण फसल के पीले पड़ने और सूखने का खतरा भी बढ़ गया है, जिससे उत्पादन प्रभावित होने की आशंका है। किसान टीकम सिंह राठौड़ ने बताया कि जिले में पिछले छह दिनों से बारिश नहीं हुई है। लगातार तेज धूप के कारण खेतों की नमी खत्म होती जा रही है, जबकि सोयाबीन की फसल को इस समय सबसे अधिक पानी की जरूरत होती है। यदि जल्द बारिश नहीं हुई तो फसल को नुकसान होना तय है। टीकम सिंह राठौड़ ने बताया कि नमी की कमी का असर सिर्फ वर्तमान खरीफ फसल पर ही नहीं पड़ेगा, बल्कि आगामी रबी सीजन की गेहूं की फसल की तैयारी भी प्रभावित हो सकती है। खेतों में पर्याप्त नमी नहीं रहने से बुवाई की स्थिति भी प्रभावित होगी।

मृतक एसडीओ की पहचान बदलकर फर्जी रजिस्ट्री का आरोप

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा ● जमीन की फर्जी रजिस्ट्री और नामांतरण का एक गंभीर मामला सामने आया है। महाराष्ट्र के अकोला निवासी एक परिवार ने पुलिस अधीक्षक (एसपी) से शिकायत कर आरोप लगाया है कि उनके दिवंगत पिता की कृषि भूमि हड़पने के लिए सुनियोजित साजिश रची गई। शिकायत के अनुसार, मृतक के स्थान पर दूसरे व्यक्ति को खड़ा कर फर्जी पहचान बनाई गई, फर्जी दस्तावेज तैयार किए गए और उसी के आधार पर जमीन की रजिस्ट्री व नामांतरण करा लिया गया। परिवार ने पूरे मामले की निष्पक्ष आपराधिक जांच कर 14 लोगों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज करने की मांग की है।

नशे में पहुंचे प्रभारी प्रधान पाठक, वीडियो वायरल होने के बाद विभागीय कार्रवाई शुरू

दैनिक इंदौर संकेत

खरगोन ● भगवानपुरा विकासखंड में एक प्राथमिक विद्यालय के प्रभारी प्रधान पाठक का नशे की हालत में बैठक में पहुंचने का मामला सामने आया है। वीडियो वायरल होने के बाद शिक्षा विभाग ने मामले को गंभीर मानते हुए जांच शुरू कर दी है और विभागीय कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, हीरापुर पंचायत के कदवाली फलिया प्राथमिक विद्यालय के प्रभारी प्रधान पाठक लालसिंह वास्केले (सोनाने) 7 जुलाई को जनशिक्षा केंद्र की साक्षरता एवं समीक्षा बैठक में कथित रूप से नशे की हालत में पहुंचे थे। बताया गया कि वे मोहनपुरा संकुल परिसर के बाहर बेसुध अवस्था में मिले। रविवार को उनका एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, जिसमें वे पॉलिथीन में कच्ची शराब लिए और नशे की हालत में दिखाई दे रहे हैं। वीडियो सामने आने के बाद आदिवासी विकास विभाग ने मामले की रिपोर्ट तलब कर ली। ब्लॉक शिक्षा अधिकारी (बीईओ) मुरलीधर महाजन के निर्देश पर जनशिक्षक और ब्लॉक स्त्रोत समन्वयक (बीआरसी) से पंचनामा प्रतिवेदन मांगा गया। भगवानपुरा बीआरसी राजेश कानूनगो ने बताया कि शिक्षक के खिलाफ विभागीय कार्रवाई प्रस्तावित करते हुए प्रतिवेदन बीईओ को भेज दिया गया है।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत

आपकी बात, इंदौर संकेत के साथ

डिजिटल रूप से लाखों पाठकों के साथ अपना नियमित संपर्क बनाते हुए दैनिक इंदौर संकेत अब एक नई ऊंचाइयों को छू रहा है। आप भी अपने संस्थान, उत्पाद, संस्था का प्रचार-प्रसार दैनिक इंदौर संकेत के माध्यम से सकते हैं। इसके तहत आप चाहे प्रापर्टी व्यवसाय से जुड़े हैं या कोई बधाई संदेश देना है या जन्मदिन की शुभकामनाएं हो या कोई अन्य कैटेगरी में विज्ञापन देना चाहते हैं तो न्यूनतम दर पर प्रकाशित करने के लिए संपर्क कर सकते हैं। दैनिक इंदौर संकेत संवेदनापूर्ण संदेशों को लेकर अत्यंत संवेदनशील है। इसीलिए इस समाचार पत्र में शोक संदेश नि:शुल्क प्रकाशित किए जाएंगे।

कार्यालय का पता
5/6, राज मोहल्ला, महेश नगर,
गुरुद्वारे के सामने, इंदौर
संपर्क: 94250-64357, 94245-83000

सम्पादकीय

महंगाई फिर रफ्तार पर, खाद्य वस्तुओं के बढ़ते दामों ने बढ़ाई आम आदमी की चिंता

खाद्य वस्तुओं के दामों में लगातार बढ़ोतरी से जून में खुदरा महंगाई बढ़कर 4.38 फीसद पर पहुंच गई, जबकि मई में यह 3.93 फीसद थी। किसी भी देश की अर्थव्यवस्था तभी सुदृढ़ मानी जाती है, जब विकास के साथ-साथ महंगाई भी नियंत्रण में रहे। अगर आवश्यक वस्तुओं के दाम अनियंत्रित तरीके से बढ़ते जाएं, तो आम जनता की बचत कम होने से उसकी क्रय शक्ति भी घट जाती है। इससे निवेश और बाजार की मांग प्रभावित होती है, जिसका सीधा असर अर्थव्यवस्था पर पड़ता है। यानी कीमतों में स्थिरता के बिना लंबे समय तक समावेशी और संतुलित विकास हासिल नहीं किया जा सकता। देश में महंगाई के मोर्चे पर जो तस्वीर सामने आ रही है, वह इसी स्थिति की ओर इशारा करती है। सरकार की ओर से बीते सोमवार को जारी किए गए आंकड़ों के मुताबिक, खाद्य वस्तुओं के दामों में लगातार बढ़ोतरी से जून में खुदरा महंगाई बढ़कर 4.38 फीसद पर पहुंच गई, जबकि मई में यह 3.93 फीसद थी। हालांकि, भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने महंगाई दर को चार फीसद तक सीमित रखने का लक्ष्य तय किया है, लेकिन मौजूदा आंकड़ा इससे आगे निकल गया है। सरकार की ओर से अक्सर यह दावा किया जाता है कि महंगाई नियंत्रण में है और आवश्यक वस्तुओं के दाम आम आदमी की पहुंच में हैं। मगर, वर्तमान परिस्थितियों में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या महंगाई को नियंत्रित करने की सरकार की नीतियां कारगर साबित नहीं हो पा रही हैं या फिर कीमतों को काबू करने की डोर को जान-बूझकर ढीला छोड़ देने की कोशिश की जा रही है? खाद्य महंगाई का मई में 4.78 फीसद से बढ़कर जून में 5.32 फीसद पर पहुंच जाना वास्तव में चिंताजनक है। जब आरबीआई ने खुद महंगाई को चार फीसद के आसपास रखने का लक्ष्य निर्धारित किया है, तो फिर क्या वजह है कि यह आंकड़ा तेजी से ऊपर की ओर जा रहा है। कारण चाहे जो भी हो, लेकिन इसका खमियाजा आम आदमी को अपनी जरूरतों और खर्च में कटौती के रूप में भुगतना पड़ रहा है। सरकार को इस बात पर गंभीरता से गौर करना चाहिए कि महंगाई की सबसे ज्यादा मार समाज के उस कमजोर तबके पर पड़ती है, जो दिनभर कड़ी मेहनत के बावजूद बमुश्किल अपने परिवार की बुनियादी जरूरतों को पूरा कर पाता है।

आस्था के धाम में कितने घोटाले: पावन परिसरों में अपवित्र सेंध और धार्मिक शुचिता का संकट

भारत एक ऐसा देश है जहाँ धर्म सिर्फ जीवन पद्धति नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों की रगों में दौड़ता विश्वास है। यहाँ एक आम नागरिक अपनी मेहनत की गाढ़ी कमाई से एक हिस्सा निकालकर भगवान के चरणों में इस विश्वास के साथ अर्पित करता है कि उसका यह दान समाज के कल्याण, दरिद्र नारायण की सेवा और मंदिर की व्यवस्था में काम आएगा। लेकिन जब इसी 'आस्था के धाम' से घोटालों, चोरी, वित्तीय हेरफेर और गबन की खबरें सुर्खियां बनती हैं, तो सिर्फ कानून नहीं टूटता, बल्कि देश की सामूहिक चेतना और करोड़ों श्रद्धालुओं का अटूट विश्वास तार-तार हो जाता है। हाल के दिनों में देश के सबसे बड़े और प्रतिष्ठित धार्मिक केंद्रों से सामने आई वित्तीय अनियमितताओं ने यह गंभीर सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या हमारे पावन परिसर अब धार्मिक शुचिता के केंद्र न रहकर केवल अकूत संपत्ति के प्रबंधन और उस पर कुंडली मारकर बैठने वाले कुछ भ्रष्ट तत्वों के चारागाह बन चुके हैं? अयोध्या के भव्य राम मंदिर परिसर में दानपात्रों की गिनती के दौरान हुई लाखों-करोड़ों की चोरी और राजस्थान के सुप्रसिद्ध बुटाटी धाम में लगभग 22.74 करोड़ रुपये के गबन के मामलों ने देश को झकझोर कर रख दिया है। यह संपादकीय इस कड़वी हकीकत के विभिन्न पहलुओं, इसके पीछे के कारणों और व्यवस्थागत सुधारों की आवश्यकता पर एक गहरी नजर डालता है।

वैसे धार्मिक स्थलों पर घोटालों का इतिहास नया नहीं है, लेकिन हाल ही में सामने आए दो मामलों ने इस समस्या की भयावहता को पूरी तरह उजागर कर दिया है। पहला -अयोध्या में राम लला के भव्य मंदिर का निर्माण हर भारतीय के लिए सदियों के इंतजार और अटूट श्रद्धा का प्रतीक है। प्राण-प्रतिष्ठा के बाद से ही यहाँ देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं का ताँता लगा हुआ है और मंदिर को भारी मात्रा में नकद, सोना और चांदी दान में मिल रहे हैं। लेकिन हाल ही में इस पवित्र परिसर से जो खबर आई, उसने हर सनातनी का सिर शर्म से झुका दिया।मंदिर के ही कुछ कर्मचारियों द्वारा दानपात्रों की गिनती के समय बड़े पैमाने पर नकद और आभूषणों को चुराने का मामला प्रकाश में आया। यह चोरी कोई छोटी-मोटी घटना नहीं थी, बल्कि एक संगठित तरीके से अंजाम दी जा रही व्यवस्थागत सेंधमारी थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए इस समय सुप्रीम कोर्ट खुद इसकी निगरानी कर रहा है और विशेष जांच दल (स्ढ्ढञ्ज) से स्टेटस रिपोर्ट मांगी गई है। अब तक करीब 80 लाख रुपये नकद बरामद किए जा चुके हैं और कई आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि इस घटना के बाद मंदिर ट्रस्ट के पिछले पांच साल के खातों का फिर से ऑडिट (री-ऑडिट) कराने का आदेश दिया गया है, जो यह दर्शाता है कि गड़बड़ी की जड़ें कितनी गहरी हो सकती हैं। दूसराराजस्थान के नागौर

जिले में स्थित बुटाटी धाम (श्री चतुरदास महाराज मंदिर) देश भर में लकवा पीड़ितों के इलाज और उनकी सेवा के लिए एक चमत्कारी व पवित्र स्थान माना जाता है। यहाँ लोग बिना किसी स्वार्थ के केवल सेवा भाव और श्रद्धा से आते हैं। लेकिन जांच रिपोर्टों में यहाँ जो खुलासा हुआ, वह आँखें खोलने वाला है।प्रशासनिक जांच में सामने आया है कि बुटाटी धाम में लगभग 22.74 करोड़ रुपये की वित्तीय अनियमितताएं की गईं। श्रद्धालुओं द्वारा चढ़ाए गए सोने-चांदी के गहने रहस्यमयी ढंग से गायब हो गए। हद तो तब हो गई जब मंदिर की भोजनशाला (रसोई) और सीसीटीवी कैमरों के नाम पर लाखों रुपये के फर्जी बिल बनाकर पैसे निकाल लिए गए। स्थानीय प्रशासन ने मंदिर की तत्कालीन समिति के सदस्यों के खिलाफ एफआईआर (स्ढ्ढक्र) दर्ज करने की सिफारिश की है। जो स्थान पीड़ितों के दर्द को हरने के लिए जाना जाता था, वहाँ चंद लोगों की तिजोरियां भरने का घिनौना खेल चल रहा था। धार्मिक स्थलों पर इस प्रकार के घोटालों और चोरियों के बार-बार सामने आने के पीछे कुछ स्पष्ट व्यवस्थागत और नैतिक कमियाँ हैं, जिन्हें समझे बिना इसका समाधान संभव नहीं है:

जैसे अपारदर्शी वित्तीय व्यवस्था में आज भी कई बड़े मंदिरों और धार्मिक ट्रस्टों में आज भी चढ़ावे और खर्च का कोई डिजिटल या पारदर्शी रिकॉर्ड सार्वजनिक नहीं किया जाता। दानपात्रों से निकलने वाले पैसे की गिनती बंद कमरों में होती है, जहाँ आधुनिक तकनीक जैसे लाइव सीसीटीवी मॉनिटरिंग या तीसरे पक्ष की निगरानी का अभाव होता है।दूसरा जवाबदेही और कड़े ऑडिट का न होना:धार्मिक मामलों में अक्सर सरकारें और समाज सीधे हस्तक्षेप करने से कतराते हैं। इसी 'स्वायत्तता' का फायदा उठाकर कुछ ट्रस्ट और कमेटियां निरंकुश हो जाती हैं। नियमित और स्वतंत्र चार्टर्ड अकाउंटेंट्स द्वारा फॉरेंसिक ऑडिट न होने के कारण वित्तीय हेरफेर सालों-साल दबे रह जाते हैं।तीसरा राजनीतिकरण और रसूखदारों का कब्जा:

देश के कई बड़े मंदिरों की प्रबंधन समितियों में सेवादारों या धार्मिक विद्वानों के बजाय राजनीतिक रसूख वाले लोगों, नौकरशाहों के करीबियों या स्थानीय बाहुबलियों को जगह मिल जाती है। इनके लिए मंदिर एक पवित्र स्थान से ज्यादा शक्ति, प्रभाव और धन अर्जित करने का जरिया बन जाता है।चौथा कर्मचारियों का नैतिक पतन और कम वेतन:अक्सर देखा गया है कि मंदिरों में दान गिनने या व्यवस्था संभालने वाले निचले स्तर के कर्मचारियों को बहुत कम वेतन दिया जाता है। जब ये कर्मचारी अपनी आँखों के सामने रोजाना करोड़ों रुपये का चढ़ावा देखते हैं, तो उनका नैतिक संयम डगमगा जाता है और वे चोरी के रास्ते पर चल पड़ते हैं।भक्तों की अंधश्रद्धा:भक्त अक्सर भगवान के डर या अत्यधिक श्रद्धा के कारण यह सवाल कभी नहीं पूछते कि उनके द्वारा दिए गए दान का इस्तेमाल कहाँ हो रहा है। वे रसीद लिए बिना नकद या सोना चढ़ा देते हैं, जिससे यह काला धन सीधे तौर पर भ्रष्ट प्रबंधकों की जेब में चला जाता है। सामाजिक और धार्मिक ताने-बाने पर इसका प्रभाव बहुत पड़ता है क्योंकि जब आस्था के केंद्रों में घोटाले होते हैं, तो इसका नुकसान केवल वित्तीय नहीं होता। इसके दूरगामी सामाजिक और धार्मिक परिणाम होते हैं:जैसे नास्तिकता और अविश्वास की भावना पैदा होना : युवा पीढ़ी, जो पहले से ही धर्म और तार्किकता के बीच संतुलन तलाश रही है, जब ऐसी खबरें देखती है तो उसका धर्म और व्यवस्था से भरोसा उठने लगता है। यह समाज में एक प्रकार के नैतिक शून्यवाद को जन्म देता है।परोपकार की भावना में कमी होना : मंदिरों का मुख्य उद्देश्य केवल पूजा-पाठ नहीं, बल्कि समाज के गरीब तबके की मदद करना, स्कूल-अस्पताल चलाना और आपदा के समय संबल बनना होता है। घोटालों के कारण जब लोग दान देना कम या बंद कर देते हैं, तो इन कल्याणकारी कार्यों पर सीधा असर पड़ता है।वैश्विक पटल पर छवि धूमिल होना : भारत को दुनिया भर में 'अध्यात्म की भूमि' के रूप में देखा जाता है। अयोध्या जैसे वैश्विक सांस्कृतिक महत्व के केंद्रों में होने वाली चोरियाँ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश की छवि को नुकसान पहुँचाती हैं।

आगे की राह को सरल करने के लिए क्या हो सकते हैं उपाय?के बारे में कहा जा सकता कि यदि हमें अपने आस्था के धामों को इन अपवित्र घोटालों से बचाना है, तो पारंपरिक ढर्रे को छोड़कर कड़े और आधुनिक कदम उठाने होंगे:शत-प्रतिशत डिजिटलीकरण : सभी बड़े धार्मिक स्थलों पर नकद दान के बजाय डिजिटल डोनेशन (क्कह्ल, नेट बैंकिंग, क्यूआर कोड) को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। यदि नकद दान आता भी है, तो उसकी गिनती की लाइव स्ट्रीमिंग होनी चाहिए ताकि पूरी पारदर्शिता बनी रहे।स्वतंत्र और अनिवार्य ऑडिट: हर छह महीने में देश की प्रतिष्ठित ऑडिट संस्थाओं द्वारा मंदिरों के खातों का फॉरेंसिक ऑडिट अनिवार्य किया जाना चाहिए। इस ऑडिट रिपोर्ट को मंदिर की आधिकारिक वेबसाइट पर सार्वजनिक किया जाना चाहिए ताकि कोई भी नागरिक इसे देख सके।पेशेवर और निष्पक्ष प्रबंधन : मंदिर ट्रस्टों में नियुक्तियाँ पूरी तरह से योग्यता, साफ-सुथरी छवि और सेवा भाव के आधार पर होनी चाहिए। इसमें राजनीति या भाई-भतीजावाद का कोई स्थान नहीं होना चाहिए। तिरुपति बालाजी या वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड की तरह पेशेवर प्रबंधन मॉडल को अन्य मंदिरों में भी लागू किया जाना चाहिए।कड़े दंड का प्रावधान: धार्मिक संपत्ति की चोरी या गबन को सामान्य चोरी से अलग माना जाना चाहिए। इसके लिए कानून में संशोधन कर विशेष और त्वरित अदालतों के माध्यम से कठोर कारावास और संपत्ति की जब्ती का प्रावधान होना चाहिए ताकि यह दूसरों के लिए एक नजीर बने।

हमें यह ध्यान रखना होगा कि यह आस्था का धाम वह स्थान है जहाँ इंसान अपने अहंकार, लालच और सांसारिक विकारों को छोड़कर शांति और पवित्रता की तलाश में आता है। यदि वही स्थान लालच और भ्रष्टाचार का केंद्र बन जाए, तो यह पूरी मानवता के लिए एक गंभीर चेतावनी है। अयोध्या और बुटाटी धाम के मामले हमारे लिए एक 'वेक-अप कॉल' (चेतावनी की घंटी) हैं।अब समय आ गया है कि सरकार, न्यायपालिका और स्वयं हिंदू समाज आगे आए और इन पवित्र परिसरों की सफाई के लिए कड़े कदम उठाए। भगवान को हमारे धन की आवश्यकता नहीं है, लेकिन जो धन भक्तों द्वारा उनकी सेवा में अर्पित किया जा रहा है, उसकी सुरक्षा और सही उपयोग सुनिश्चित करना हमारा परम कर्तव्य है। आस्था के धामों को घोटालों से मुक्त कराकर ही हम उनकी वास्तविक शुचिता और गरिमा को पुनर्स्थापित कर सकते हैं। तभी 'धर्म की जय हो, अधर्म का नाश हो' का नारा सच मायनों में चरितार्थ होगा।

अशोक भाटिया,
वरिष्ठ स्वतंत्र पत्रकार,
लेखक, समीक्षक एवं टिप्पणीकार

आंचलिक

जिला पुलिस धार के लिए गौरव का क्षण

अजय नलवाया (7879800048)

धार ● दैनिक इंदौर संकेत

जिला पुलिस धार के लिए यह अत्यंत हर्ष एवं गौरव का विषय है कि पुलिस मुख्यालय भोपाल द्वारा जिले के चार सूबेदार अधिकारियों को रक्षित निरीक्षक के पद पर पदोन्नत किया गया। 13 जुलाई 2026 को पुलिस अधीक्षक कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित गरिमामय समारोह में पुलिस अधीक्षक धार सचिन शर्मा (भा.पु.से.) एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षकों द्वारा नवपदोन्नत अधिकारियों को रैंक लगाकर पदोन्नति प्रदान की गई। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक धार सचिन शर्मा (भा.पु.से.), अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विजय डावर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती पारूल बेलापुरकर, नगर पुलिस अधीक्षक पीथमपुर कमलसिंह चौहान, रक्षित निरीक्षक पुरुषोत्तम बिश्नोई, नवपदोन्नत रक्षित निरीक्षक प्रेमसिंह ठाकुर, बंशीलाल कन्नौजे, रोहित निकम एवं नितेश राठौर, उनके परिजन तथा पुलिस अधीक्षक कार्यालय का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा। जिला पुलिस धार परिवार की ओर से सभी नवपदोन्नत रक्षित निरीक्षकों को हार्दिक बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य हेतु अनंत शुभकामनाएँ।

कलेक्टर ने जिले में 'दस्तक सह स्टॉप डायरिया अभियान 2026' का शुभारंभ

2.79 लाख से अधिक बच्चों को मिलेगा स्वास्थ्य सुरक्षा कवच

अजय नलवाया (7879800048)

धार ● दैनिक इंदौर संकेत

जिले में बाल स्वास्थ्य को सुदृढ़ करने और कुपोषण मुक्त बचपन के संकल्प को साकार करने के उद्देश्य से आज कलेक्टर श्री राजीव रंजन मीना द्वारा 'दस्तक सह स्टॉप डायरिया अभियान 2026' का विधिवत शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर कलेक्टर मीना ने स्वयं जिला चिकित्सालय स्थित पोषण पुनर्वास केंद्र (NRC) पहुंचकर माताओं को ओआरएस पैकेट, जिंक एवं अन्य आवश्यक दवाइयां प्रदान कीं। उन्होंने माताओं को मौसमी बीमारियों से बचाव हेतु दवाइयों के सही उपयोग और उनकी निर्धारित मात्रा के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इसके साथ ही, उन्होंने बच्चों की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए उन्हें विटामिन-ए की खुराक भी दी।यह विशेष स्वास्थ्य अभियान 14 जुलाई से 31 अगस्त 2026 तक पूरे जिले में संचालित किया जाएगा, जिसके अंतर्गत 0 से 5 वर्ष तक के 2,79,229 पात्र बच्चों के घर-घर पहुंचकर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इस अभियान का प्राथमिक लक्ष्य दस्त, निमोनिया, कुपोषण एवं अन्य बाल्यकालीन बीमारियों से होने वाली मृत्यु दर को शून्य पर लाना है। अभियान के क्रियान्वयन हेतु स्वास्थ्य विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग तथा

मैदानी अमले के संयुक्त दल (एएनएम, आशा एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ता) द्वारा घर-घर जाकर बच्चों का गहन स्वास्थ्य परीक्षण किया जाएगा।

अभियान के दौरान कुपोषण के विरुद्ध प्रभावी प्रहार हेतु चिन्हित गंभीर कुपोषित बच्चों को पोषण पुनर्वास केंद्रों (NRC) में भर्ती कराकर उनके स्वास्थ्य सुधार और वजन वृद्धि की नियमित निगरानी की जाएगी। बीमारी पाए जाने पर बच्चों को त्वरित उपचार और आवश्यकतानुसार उच्च स्वास्थ्य केंद्रों के लिए रेफरल की सुविधा प्रदान की जाएगी।

कलेक्टर मीना ने स्वास्थ्य विभाग को अभियान के दौरान गुणवत्तापूर्ण भ्रमण सुनिश्चित करने तथा किसी भी पात्र बच्चे को न छोड़ने के स्पष्ट निर्देश दिए हैं। साथ ही, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को अभियान की दैनिक मॉनिटरिंग और पोर्टल पर डेटा की समयबद्ध एंट्री करने हेतु निर्देशित किया गया है। अंत में, कलेक्टर मीना ने जिले के समस्त पालकों से अपील की है कि वे दस्तक दल को बच्चों के स्वास्थ्य संबंधी सही जानकारी प्रदान करें और इस अभियान में पूर्ण सहयोग दें, ताकि बच्चों को एक सुरक्षित और स्वस्थ भविष्य मिल सके।

स्टेशन रोड की 4 दुकानों पर चला बुलडोजर

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा ● रेलवे स्टेशन रोड़ की 4 दुकानों पर बुलडोजर एक्शन लिया गया। इन्हें पोकलेन और जेसीबी मशीनों से तोड़ा गया। इस दौरान एक घंटे तक ट्रैफिक रोका गया। जिसके चलते लंबा जाम भी लगा रहा। पोकलेन के पंजों की मार लगते ही चारों दुकानें भर-भराकर गिर गई। इस दौरान प्रशासन और निगम के आला-अधिकारी मौजूद रहे। तीन पुलिया ओवरब्रिज के निर्माण के लिए स्टेशन रोड़ का चौड़ीकरण किया जा रहा हैं। रेलवे की ओर की दुकानों को चिन्हित किया गया था। जो कि नगर निगम द्वारा निर्मित की जाकर 20 साल पहले ही आवंटित की गई थी। लोगों के पास स्थायी लीज थी, इस हिसाब से प्रशासन ने जमीन के बदले जमीन देकर भंडारिया रोड़ पर विस्थापित किया हैं। मंगलवार को चार दुकानों को तोड़ा गया, जबकि अधिकांश दुकानों को पहले ही जमींदोज कर प्रस्तावित सर्विस रोड़ बना दिया गया हैं। कार्रवाई सिटी मजिस्ट्रेट बजरंग बहादुर की मौजूदगी में की गई। सिटी मजिस्ट्रेट ने बताया कि, चार दुकानें शेष रह गई थी। जिन्हें कुछ समय के लिए मोहलत दी गई थी। आज इन्हें तोड़ा गया, इनमें वैशाली किराना की 4 मंजिला इमारत सहित दो बिल्डिंग तीन मंजिला और एक बिल्डिंग दो मंजिला थी। कार्रवाई के दौरान कुछ देर के लिए ट्रैफिक रोका गया।

आंखों के सामने टूटी दुकान, रो पड़े व्यापारी

लंबे समय से किराना कारोबार कर रहे वैशाली किराना के संचालक और अन्य कारोबारी भी कार्रवाई के दौरान मौजूद रहे। चार मंजिला इमारत के गिरते ही दुकानदार और उनके परिजनों के आंसू निकल आए। वे रो पड़े, तभी साथ आए दोस्तों ने ढांढ़स बंधाया। इधर, कई व्यापारी ऐसे हैं, जिन्होंने सिटी मजिस्ट्रेट बजरंग बहादुर से पूछा कि हमारा क्या भविष्य हैं। हमारी दुकानें भी टूटेगी क्या।

लीड बैंक, बैंक ऑफ इंडिया धार द्वारा 'एन.पी.एस. वात्सल्य' योजना हेतु जागरूकता शिविर का आयोजन

अजय नलवाया (7879800048)

धार ● दैनिक इंदौर संकेत

बैंक ऑफ इंडिया, जिला धार के लीड बैंक कार्यालय द्वारा बच्चों के आर्थिक भविष्य को सुरक्षित बनाने के उद्देश्य से भारत सरकार की नई 'एन.पी.एस. वात्सल्य' योजना के व्यापक प्रचार-प्रसार हेतु वित्तीय साक्षरता शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। लीड बैंक मैनेजर (LDM) बलराम बैरागी ने जानकारी देते हुए बताया कि केंद्रीय बजट 2024 में घोषित यह योजना पेंशन निधि विनियामक और विकास प्राधिकरण द्वारा संचालित है, जिसका मुख्य उद्देश्य नाबालिग बच्चों के लिए पेंशन की नींव रखना है। इस योजना में माता-पिता या अभिभावक 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों के नाम पर खाता खुलवा सकते हैं, जिसमें न्यूनतम निवेश की शुरुआत मात्र 250 रुपये वार्षिक से की जा सकती है। योजना की विशेषताओं पर प्रकाश डालते हुए श्री बैरागी

ने बताया कि यह खाता बच्चे के 18 वर्ष का होने पर स्वत: ही 'NPS Tier-1' में परिवर्तित हो जाएगा। PFRDA के नियमों के तहत, खाता खुलने के 3 वर्ष बाद शिक्षा, गंभीर बीमारी जैसी आपातकालीन आवश्यकताओं के लिए जमा राशि का 25% तक आंशिक रूप से निकाला जा सकता है। इसके अतिरिक्त, माता-पिता को इस निवेश पर आयकर की धारा 80C के अंतर्गत टैक्स डिडक्शन का लाभ भी प्राप्त होता है। 18 वर्ष की आयु पूर्ण होने के बाद बच्चा स्वयं तय कर सकता है कि वह इस खाते को जारी रखे या नियमों के अनुसार राशि का उपयोग करे। अभिभावक इस योजना का लाभ उठाने के लिए अपने नजदीकी बैंक शाखा, NPS रजिस्टर्ड POP, अथवा NSDL/CAMS की ऑनलाइन वेबसाइट के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। खाता खोलने के लिए बच्चे का जन्म प्रमाण पत्र, माता-पिता का पैन कार्ड और आधार कार्ड जैसे दस्तावेजों की आवश्यकता होगी। बैंक ऑफ इंडिया द्वारा प्रायोजित 'वित्तीय साक्षरता केंद्र' के माध्यम से जिले के समस्त ग्रामों में शिविर आयोजित कर लोगों को इस योजना की जानकारी दी जा रही है। जिला प्रशासन एवं बैंक प्रबंधन ने जिले के समस्त नागरिकों से अपील की है कि वे अपने बच्चों के उज्ज्वल और सुरक्षित भविष्य हेतु इस सरकारी योजना से जुड़कर इसका लाभ अवश्य उठाएं।

शहर मे आ रही स्पा सेंटर्स की बाढ़, न स्पा एवं अधिकारी अंजान

अजय नलवाया (7879800048)

धार ● दैनिक इंदौर संकेत

तीखी गर्मी के मौसम खत्म होते ही बारिश के मौसम मे इन दिनों धार शहर मे स्पा सेंटर्स की बाढ़ आना शुरू हो गई है ये कथित स्पा पार्लर बगैर वैध अनुमति संचालित हो रहे हैं!

पुलिस लाईन के पास स्पा पार्लर- हाल ही मे धार जिला मुख्यालय पर डी आर पी लाईन के समीप रहवासी कॉलोनी मे भी स्पा पार्लर की शुरुआत हुई है जिसका स्थानीय लोगों द्वारा विरोध भी किया गया तथा प्रतिष्ठित न्यूज चैनल मे खबरें भी प्रकाशित हुई है बावजूद नगर पालिका इस रहवासी कॉलोनी मे व्यावसायिक गतिविधियों को रोकने मे नाकाम

हुई है

विधायक बंगले के सामने भी स्पा- वहीं शहर मे विधायक बंगले के सामने भी भाजपा नेता के कॉम्प्लेक्स मे स्पा पार्लर का संचालन बेखौफ किया जा रहा है जिस पर भी प्रशासन द्वारा कोई लगाम नहीं लगाई गई है

क्या कहते है शासकीय नियम- वहीं अगर स्पा पार्लर संचालन के शासकीय नियमों की बात करे तो सर्वप्रथम स्पा पार्लर मे मसाज करने वाले युवक/युवतियों का संबंधित थाना पर मान्यता प्राप्त विश्विद्यालय से थेरेपी डिग्री का भौतिक सत्यापन, संचालक का सत्यापन, अनुविभागीय अधिकारी की अनुमति आवश्यक होती है!

नियमों की धज्जियां उड़ाते हुए चल रहे स्पा सेंटर्स - शहर मे संचालित हो रहे स्पा सेंटर्स खुले आम नियमों को हवा मे उड़ाते संचालित हो रहे है और हो भी क्यों ना जब सैया भये कोतवाल तो डर कैसा!

वहीं विश्वसनीय सूत्रों की माने तो इन अवैध स्पा पार्लर मे अवैध गतिविधियां भी संचालित हो रही है लेकिन वही शहर के सफेद कॉलर लोग भी पर्दे के पीछे इन अवैध स्पा पार्लर मे मसाज करवाते हुए नियमों की कमर तोड़ रहे हैं

फ्रांस-स्पेन में पहला सेमीफाइनल आज

डलास (एजेंसी) • फ्रांस और स्पेन 20 साल बाद फीफा वर्ल्ड कप में आमने-सामने होंगे। दोनों टीमों के बीच 2026 वर्ल्ड कप का पहला सेमीफाइनल बुधवार देर रात 12:30 बजे डलास स्टेडियम में खेला जाएगा। वर्ल्ड कप में इससे पहले दोनों की आखिरी भिड़ंत 2006 में हुई थी, जब फ्रांस ने राउंड-16 में स्पेन को 3-1 से हराया था। ओवरऑल दोनों टीमों के बीच अब तक 38 मुकाबले हुए हैं, जिनमें स्पेन ने 18 और फ्रांस ने 13 मैच जीते, जबकि सात मुकाबले ड्रॉ रहे। फ्रांस के कप्तान किलियन एम्बाप्पे शानदार फॉर्म में हैं। वे मौजूदा वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा आठ गोल कर गोल्डन बूट की रेस में सबसे आगे हैं। दूसरी ओर स्पेन की उम्मीदें 19 साल के स्टार लामिन यमाल पर टिकी होंगी।

श्रेयस की कप्तानी अभी खतरे में नहीं : अभिषेक

मुंबई (एजेंसी) • आईपीएल टीम कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के कोच अभिषेक नायर ने कहा है कि आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ लगातार हार से टीम के कप्तान श्रेयस अय्यर की नेतृत्व क्षमता पर सवाल उठे हैं पर कहा कि उनकी कप्तानी को अभी कोई खतरा नहीं है। भारतीय टीम को आयरलैंड के खिलाफ दो मैचों की टी20 सीरीज में 2-0 से करारी हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद उसे मेजबान इंग्लैंड ने भी 4-0 से हरा दिया। इन हारों के बाद नायर ने कहा कि जब आप किसी को एक चैंपियन टीम की कप्तानी सौंपते हैं, तो आप उसे अपनी टीम चुनने की आजादी भी देना चाहते हैं। नायर ने साफ किया कि इन दो सीरीज के बाद, अय्यर के पास यह सोचने और समझने का समय होगा कि उन्हें इस टीम से क्या चाहिए, उन्हें उनसे कैसे खेलने की जरूरत है और सहयोगी स्टाफ से उनकी क्या अपेक्षाएं हैं। इसलिए, यह कहना गलत होगा कि एक कप्तान के तौर पर श्रेयस अय्यर का भविष्य खतरे में है। उन्होंने जोर देकर कहा कि अय्यर को समर्थन की आवश्यकता है और अगर भारतीय टीम जीत की राह पर लौटना चाहती है तो उन्हें समय देना होगा नायर ने समझाया कि यह वास्तव में एक मुश्किल सीरीज रही है, और जबकि श्रेयस अय्यर पर उंगली उठाई जा सकती है, ज्यादा सही बात यह समझना है कि उन्हें इस टीम से क्या चाहिए। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि जैसे हैरी ब्रूक, बेन स्टोक्स (इंग्लैंड टेस्ट टीम के साथ), रोहित शर्मा या विराट कोहली (खासकर टेस्ट टीम के साथ) ने अपनी-अपनी टीमों को बनाया, अय्यर को भी यह महसूस करने का मौका मिलना चाहिए कि यह उनकी टीम है।

इंग्लैंड टीम जश्न मनाये पर तय सीमा नहीं लांघे : मैकुलम

लंदन (एजेंसी) • इंग्लैंड की सीमित ओवरों की क्रिकेट टीम के मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम ने अपने खिलाड़ियों को जश्न के दौरान शराब पार्टी की अनुमति दे दी है पर कहा है कि उन्हें अपनी तय सीमाओं को नहीं लांघना होगा। यह फैसला ऐसे समय आया है जब इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने शराब के सेवन को लेकर सख्त दिशा-निर्देश जारी किए थे। एक रिपोर्ट के अनुसार, इन दिशानिर्देशों में मैच से एक दिन पहले और मैच के दिन और मैच के तुरंत बाद शराब पीने पर प्रतिबंध लगाया गया है। वहीं मैकुलम ने टीम की हाला की सफलता और खिलाड़ियों के बीच अपने विश्वास को दिखाते हुए इन नियमों में राहत देने का फैसला किया है। ईसीबी की शराब से जुड़ी गाइडलाइंस में कहा गया है कि मुख्य कोच मैकुलम और मैनेजिंग डायरेक्टर रॉब की चाहें तो नियमों में राहत दे सकते हैं। वहीं अपने इस फैसले को लेकर मैकुलम ने कहा, हमारे बहुत से लोग खिलाड़ी और सपोर्ट स्टाफ असल में शराब नहीं पीते हैं पर जिसे भी बीयर चाहिए, वह पी सकता है। गाइडलाइंस अभी भी लागू हैं और सभी खिलाड़ियों को इसकी जानकारी भेज दी गई है। यह पॉलिसी इसलिए बनाई गई है कि लोगों का ध्यान रखा जाए और वे सही फैसले लें। कोच ने अपने खिलाड़ियों पर पूरा भरोसा जताते हुए कहा कि टीम को सफलता को सहज भाव ने लेना होगा। मैकुलम ने खिलाड़ियों को पिछले दस दिनों में हासिल की गई शानदार उपलब्धि को अपने तरीके से महसूस करने की राहत दी, लेकिन साथ ही कड़ी चेतावनी भी दी कि हर कोई गाइडलाइंस के बारे में बहुत जानता है और मुझे लगता है कि हम शांति से बीयर पीएंगे और आनंद उठायें पर किसी प्रकार से भी ऐसा न करें कि विवाद हो और टीम की छवि खराब हो।

नेटफ्लिक्स की 'ऑपरेशन सफेद सागर'; सीरीज़ 7 अगस्त से रिलीज़ होगी; कारगिल युद्ध में भारतीय वायुसेना की वीरता की कहानी

मुंबई (एजेंसी) • नेटफ्लिक्स ने आज घोषणा की कि भारतीय वायुसेना के सबसे चुनौतीपूर्ण युद्ध अभियानों में से एक पर आधारित नई मिलिट्री ड्रामा सीरीज़ ऑपरेशन सफेद सागर 7 अगस्त से दुनिया भर में स्ट्रीम होगी। 1999 के कारगिल युद्ध की पृष्ठभूमि पर बनी ऑपरेशन सफेद सागर×ष्ठ39; भारतीय वायुसेना की गोल्डन एरोज स्क्वाड्रन की अब तक अनकही बहादुरी की कहानी दिखाती है। कठिन परिस्थितियों और बड़ी चुनौतियों के बावजूद इस स्क्वाड्रन ने अपने मिशन को सफल बनाया। सीरीज़ में उनके साहस, बलिदान और देश के प्रति समर्पण को दिखाया गया है। साथ ही, भारतीय सैन्य इतिहास के इस महत्वपूर्ण अध्याय को दर्शकों के सामने जीवंत रूप में प्रस्तुत किया गया है। ऑपरेशन सफेद सागर; का निर्देशन ओनी सेन ने किया है। इस सीरीज़ को अभिजीत सिंह परमार और कुशल श्रीवास्तव ने बनाया है। इसमें सिद्धार्थ, जिमी शेरगिल, अभय वर्मा, दिया मिर्जा, प्राजक्ता कोली, आदिल हुसैन, मिहिर आहूजा, तारुक रैना, अर्णव भसीन और अमृता बागची मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। नेटफ्लिक्स इंडिया की सीरीज हेड तान्या बामी ने कहा, नेटफ्लिक्स में हम हमेशा ऐसी नई और दमदार कहानियां दर्शकों तक पहुंचाने की कोशिश करते हैं, जो पहले कभी नहीं बताई गईं। ऑपरेशन सफेद सागर भी ऐसी ही एक कहानी है, जिसे भारतीय वायुसेना ने हम पर भरोसा करके दुनिया तक पहुंचाने की जिम्मेदारी दी है। कारगिल युद्ध में भारतीय वायुसेना की भूमिका से प्रेरित यह भारत की अपनी तरह की पहली वेब सीरीज़ है। यह सीरीज़ गोल्डन एरोज स्क्वाड्रन के साहस, टीमवर्क और देश के लिए किए गए सर्वोच्च बलिदान को श्रद्धांजलि देती है। इसमें उन वायुसेना के जवानों की प्रेरणादायक कहानी दिखाई गई है, जिन्होंने अपने कर्तव्य से बढ़कर देश की सेवा की। इस सीरीज़ के जरिए दर्शकों को भारतीय वायुसेना के पायलटों का जीवन करीब से देखने का मौका मिलेगा। उनके साहस, उनकी रोज़मर्रा की जिंदगी और देश की सीमाओं की सुरक्षा के लिए हर पल लिए जाने वाले महत्वपूर्ण फैसलों को इसमें वास्तविक रूप से दिखाया गया है। बड़े स्तर पर फिल्मांकन, बेहतरीन प्रोडक्शन और शानदार विजुअल इफेक्ट्स के कारण यह सीरीज़ दर्शकों को वास्तविक युद्ध जैसा अनुभव देगी। इस कहानी का निर्देशन ओनी सेन ने किया है, जबकि अभिजीत सिंह परमार, कुशल श्रीवास्तव और मेहबूब पाल सिंह ब्रार की युवा निर्माता और सह-निर्माता टीम ने इसे तैयार किया है। इस सीरीज़ में नए और अनुभवी कलाकारों का बेहतरीन मेल देखने को मिलेगा। दमदार और किरदार-आधारित कहानियां बनाने के लिए मशहूर मैचबॉक्स शॉट्स के साथ एक बार फिर काम करके हमें बेहद खुशी हो रही है।

स्टार प्लस पर जल्द आएगा नया शो 'सयोनी'

मुंबई (एजेंसी) •स्टार प्लस ने अपने नए फिक्शन शो सयोनी की पहली झलक जारी कर दी है। यह शो माँ-बेटी के अटूट रिश्ते, बिछडने, त्याग और उम्मीद की भावनात्मक कहानी को पर्दे पर पेश करेगा। जारी प्रोमो में सान्वी (जाह्नवी सोनी) की कहानी दिखाई गई है, जो एक मासूम और चंचल बच्ची है। अनाथालय में पली-बढ़ी सान्वी को यह नहीं पता कि उसकी माँ जीवित है। बचपन से ही उसकी सबसे बड़ी ख्वाहिश अपनी माँ को ढूंढना और पहली बार माँ के स्नेह का अनुभव करना है। शो में रश्मि देसाई और जाह्नवी सोनी मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगी। सयोनी की कहानी एक माँ और बेटी के बिछडने तथा उनके दोबारा मिलने की उम्मीद के इर्द-गिर्द घूमती है। प्रोमो में सान्वी की मासूमियत, उसकी उम्मीद और अपनी मां से मिलने की चाह को भावनात्मक अंदाज में दिखाया गया है। प्रोमो कई सवाल भी छोड़ता है,आखिर किन परिस्थितियों ने माँ और बेटी को एक-दूसरे से अलग कर दिया? क्या किस्मत उन्हें फिर से मिलाएगी या उनकी राहें हमेशा के लिए जुदा हो जाएंगी? इन सवालों के जवाब शो के प्रसारण के दौरान सामने आएंगे। सयोनी जल्द ही स्टार प्लस पर प्रसारित होगा और इसे जियोहॉटस्टार पर भी स्ट्रीम किया जा सकेगा।

उज्जैन संभाग

महामंडलेश्वर शांति स्वरूपानंद ने महाकाल मंदिर पुजारी से मांगी माफी

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन •महाकाल मंदिर में दान चोरी रोकने को लेकर दिए गए बयान के बाद शुरू हुआ विवाद अब नया मोड़ ले चुका है। पुजारियों के बिना जेब वाले कुर्ते पहनने और मंदिर में मेटल डिटेक्टर लगाने की बात कहने वाले महामंडलेश्वर शांति स्वरूपानंद के खिलाफ महाकाल सेना ने कार्रवाई की मांग की है। महाकाल सेना ने परमानंद महाराज को पत्र लिखकर उन्हें चारधाम मंदिर के पद से हटाने की मांग की थी। वहीं, विवाद बढ़ने पर मंगलवार को महामंडलेश्वर शांति स्वरूपानंद ने महाकाल मंदिर के वरिष्ठ पुजारी महेश पुजारी से माफी मांगते हुए कहा कि अगर उनकी किसी बात से ठेस पहुंची है तो वे क्षमा चाहते हैं।

'पद से नहीं हटाने पर होगा आंदोलन'

महाकाल सेना के राष्ट्रीय संगठन मंत्री किशन पांडेय ने परमानंद जी महाराज को लिखे पत्र में कहा कि महामंडलेश्वर शांति स्वरूपानंद के बयान से चारधाम की प्रतिष्ठा धूमिल हुई है। पत्र में मांग की गई है कि उन्हें चारधाम के पद से हटाया जाए। पत्र में यह भी लिखा गया है कि यदि उन्हें पद से नहीं हटाया गया तो महाकाल सेना उनके विरोध में आंदोलन करेगी और सरकार से चारधाम के सरकारीकरण की मांग भी करेगी। महामंडलेश्वर शांति स्वरूपानंद ने कहा कि उन्हें पूरी जानकारी नहीं थी कि किस विषय पर चर्चा हो रही है। उन्होंने कहा कि महेश पुजारी महाकाल मंदिर के वरिष्ठ पुजारी हैं और कई वर्षों से संगठन के लिए काम कर रहे हैं। यदि उनकी किसी बात से उन्हें ठेस पहुंची है तो वह उनसे माफी मांगते हैं। उन्होंने कहा कि सभी साधु-संतों और पुजारियों को सनातन धर्म के लिए मिलकर काम करना चाहिए। सिंहस्थ महापर्व भी आने वाला है, इसलिए सभी को एकजुट रहना चाहिए। कुछ दिन पहले दान चोरी के मामलों पर चर्चा के दौरान अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष एवं महामंडलेश्वर शांति स्वरूपानंद ने कहा था कि चोरी रोकने के लिए पुजारियों के कुर्तों में जेब नहीं होनी चाहिए और मंदिर में आने-जाने वालों की जांच के लिए मेटल डिटेक्टर लगाए जाने चाहिए। इस बयान का अखिल भारतीय पुजारी महासंघ और महाकाल सेना ने विरोध किया। उनका कहना था कि इस तरह का बयान पुजारियों की छवि खराब करता है और उनका अपमान है। महामंडलेश्वर ने माफी मांग ली है, लेकिन महाकाल सेना और अखिल भारतीय पुजारी महासंघ का कहना है कि पुजारियों पर की गई टिप्पणी को लेकर उनका विरोध अभी जारी रहेगा।

अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत रवींद्र पुरी महाराज ने भी महामंडलेश्वर शांति स्वरूपानंद के साथ मंदिरों की व्यवस्था को लेकर सुझाव दिए थे। उन्होंने कहा था कि बड़े मंदिरों में पुजारियों और कर्मचारियों के लिए बिना जेब वाली ड्रेस, ड्रेस कोड और मेटल डिटेक्टर जैसी व्यवस्था लागू की जानी चाहिए। महंत रवींद्र पुरी महाराज ने कहा कि सनातन धर्म को बदनाम करने की कोशिश की जाती है। इसलिए मंदिरों में ऐसी व्यवस्था होनी चाहिए जिससे किसी तरह के विवाद की गुंजाइश न रहे। उन्होंने कहा कि हरिद्वार के मनसा देवी मंदिर में यह व्यवस्था लागू की गई है कि किसी भी पुजारी की यूनिफॉर्म में जेब नहीं होगी। मंदिरों में पूजा के दौरान धोती-कुर्ता पहना जाता है, लेकिन अब कुर्ते में जेब नहीं रखी जाती। उन्होंने कहा कि कई बार श्रद्धालु सीधे पुजारी की जेब में पैसे रख देते हैं। बाद में उसकी तस्वीर या वीडियो सामने आने पर गलत संदेश जाता है। अगर जेब ही नहीं होगी तो श्रद्धालु दान सीधे दानपेटी में डालेंगे और विवाद भी नहीं होगा।

सांसद ने दिव्यांगों को 30 लाख के उपकरण बांटे

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • उज्जैन-आलोट संसदीय क्षेत्र के सांसद अनिल फिरोजिया ने चिंतामन रोड पर आयोजित एक कार्यक्रम के दौरा 90 दिव्यांगों को 30 लाख रुपए से अधिक की कीमत के सहायक उपकरण और इलेक्ट्रिक गाड़ियां वितरित कीं। यह पहला मौका नहीं है जब सांसद फिरोजिया ने इस तरह सेवा कार्य के रूप में मनाया हो। वे पिछले तीन वर्षों से लगातार इस सिलसिले को जारी रखे हुए हैं। इस वर्ष वितरित किए गए उपकरणों में मुख्य रूप से मोटराइज्ड ट्राइसिकल, सामान्य ट्राइसिकल, श्रवण यंत्र (कान की मशीन), वॉकिंग स्टिक, सिलिकॉन फोम कुशन तथा स्टूल चेयर विद कमोड शामिल हैं।

कार्यक्रम में सांसद फिरोजिया को उनके जन्मदिन पर आशीर्वाद देने के लिए बड़ी संख्या में क्षेत्र के महामंडलेश्वर, संत और महंत भी मौजूद रहे, जिन्होंने सांसद के इस सेवाभावी कार्य की जमकर सराहना की। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए जिन्होंने सांसद का फूल माला से स्वागत किया।

सांसद अनिल फिरोजिया ने कहा कि जन्मदिन पर इससे अच्छा कुछ नहीं हो सकता जब दिव्यांगों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में आगे बढ़ते हो , ट्राई साइकिल पर ये अपना रोजगार खड़ा कर सकते है। मुख्य उद्देश्य दिव्यांगजनों के जीवन को अधिक सहज, सुगम और सम्मानजनक बनाना है ताकि वे समाज में बिना किसी बाधा के आत्मनिर्भर होकर जी सकें।।

छात्र पर शिक्षक से मारपीट का आरोप महिला शिक्षिकाओं से अभद्रता

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • माधवनगर स्थित शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में एक छात्र पर शिक्षक से मारपीट और महिला शिक्षिकाओं से अभद्र व्यवहार करने का आरोप लगा है। घटना के बाद विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं ने जिला शिक्षा अधिकारी महेंद्र खत्री को ज्ञापन सौंपकर मामले की निष्पक्ष जांच और आवश्यक कार्रवाई की मांग की है। जिला शिक्षा अधिकारी ने नियमानुसार कार्रवाई का आश्वासन दिया है। शिक्षकों के अनुसार, यह घटना 11 जुलाई को हुई थी। विद्यालय में अध्ययनरत छात्र सांवरिया शिवेश चौधरी का एक शिक्षक से विवाद हो गया, जो बाद में हाथापाई में बदल गया। आरोप है कि छात्र ने इसके बाद कुछ बाहरी युवकों को विद्यालय परिसर में बुलाया। शिक्षकों का कहना है कि इन बाहरी लोगों की मौजूदगी से विद्यालय का शैक्षणिक वातावरण प्रभावित हुआ और कक्षाओं में पढ़ाई बाधित हुई। साथ ही, विरोध करने पर कुछ महिला शिक्षिकाओं के साथ भी अभद्र भाषा का प्रयोग किए जाने की शिकायत की गई है। ज्ञापन में शिक्षकों ने बताया कि विद्यालय में लगभग 2,000 विद्यार्थी अध्ययनरत हैं, जिनमें 1,022 छात्राएं शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, विद्यालय में 48 महिला शिक्षिकाएं भी कार्यरत हैं। ऐसे में विद्यालय परिसर में बाहरी लोगों के प्रवेश से सुरक्षा और अनुशासन को लेकर गंभीर चिंता व्यक्त की गई है।

पैरों से जुड़ी बीमारी से जूझ रही हाथी

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • भगवान महाकालेश्वर की सवारी में 10 साल से शामिल हो रही हथिनी श्यामू के इस बार सवारी में शामिल होने पर संशय हैं। श्यामू ज्वाइंट डिजनरेटिव डिजीज से पीड़ित है। जांच रिपोर्ट वन विभाग ने हाई पॉवर कमेटी को दी है। श्यामू को एक माह तक पूर्ण विश्राम पर रखा है। श्यामू की देखभाल करने वाले महावत अरुण योगी ने बताया कि इस बार श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति की ओर से हथिनी श्यामू को सवारी में शामिल करने के लिए किसी प्रकार का कोई पत्र नहीं मिला है। हम रोजाना श्यामू को जांच के लिए पशु चिकित्सालय लेकर जाते हैं पर वहां सिर्फ तापमान मापकर लौटा दिया जाता है।

वन विभाग के एसडीएफओ विक्रमसिंह सोलंकी का कहना है कि डॉक्टर की टीम श्यामू का इलाज कर उसके स्वास्थ्य पर निगरानी रख रही है। सवारी में श्यामू शामिल होती है या नहीं, इसका फैसला मंदिर समिति करेगी। मंदिर समिति की ओर से हाथी के फिटनेस टेस्ट को लेकर पत्र नहीं मिला। यदि पत्र मिलता है तो हम जांच कर उसके आधार पर सर्टिफिकेट जारी करेंगे।

उम्र के हिसाब से ज्यादा है वजन

मादा हाथी श्यामू वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के तहत शेड्यूल-1 श्रेणी का वन्यजीव है। डॉक्टरों के मुताबिक उसके पैरों में गंभीर समस्या है, वजन भी उम्र के हिसाब से ज्यादा है, जिससे उसके पिछले पैर मुड़ने लगे हैं। ऐसी स्थिति में वह चलते-चलते कभी भी गिर सकती है।

पिछले माह जब वाइल्ड लाइफ की हाई पॉवर कमेटी के डॉक्टरों की टीम श्यामू की जांच करने और ब्लड सैंपल लेने पहुंची थी तो हाथी मालिक सरमन गिरि और उनके परिवार ने विरोध कर टीम को लौटा दिया था।

भगवान मनमहेश सवार होकर करते हैं भ्रमण

शहर में भगवान श्री महाकालेश्वर की श्रावण-भादौ मास की सवारी 3 अगस्त से निकाली जाएगी। 10 अगस्त को निकलने वाली दूसरी सवारी में परंपरा के अनुसार भगवान श्री मनमहेश हाथी पर विराजमान होकर नगर भ्रमण करेंगे। महाकाल की सवारी में हाथी को शामिल करने की वर्षों पुरानी परंपरा रही है। दूसरी सवारी में हाथी का विशेष महत्व होता है। वर्ष 1980 से पहले बैरागी अखाड़ों के हाथी महाकाल की सवारी में शामिल होते थे। इसके बाद संत टाइगर गिरि की हथिनी रामू ने यह जिम्मेदारी संभाली। 2016 के बाद से लगातार मादा हाथी श्यामू सवारी में शामिल हो रही है।

आज शुभ मुहूर्त में घट स्थापना के साथ माता मंदिरों में होंगे विभिन्न आयोजन

गजकेसरी योग में गुप्त नवरात्र की शुरुआत आज से

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● आषाढ़ शुक्ल प्रतिपदा बुधवार यानी आज से गुप्त नवरात्र प्रारंभ हो रहे हैं। खास बात यह है कि इसका शुभारंभ 12 साल बाद गजकेसरी और बुध पुष्य योग के दुर्लभ संयोग में हो रहा है। गुप्त नवरात्र को लेकर शहर के सभी माता मंदिरों में विशेष तैयारियां की जा रही हैं। आज सुबह शुभ मुहूर्त मुहूर्त में घट स्थापना के साथ मंदिरों में प्रतिदिन विभिन्न अनुष्ठान के साथ मातारानी का आकर्षक श्रृंगार किया जाएगा।

आचार्य पं. रामचन्द्र शर्मा वैदिक ने बताया कि 15 जुलाई को बुधवार, पुष्य नक्षत्र और कर्क राशि में चंद्रमा की स्थिति रहेगी। चंद्रमा और गुरु की युति से गजकेसरी योग बनेगा। सामान्यत: गुरु का एक ही राशि में आगमन 12 वर्ष में होता है, है, इसलिए यह संयोग बेहद विशेष माना जा रहा है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार आषाढ़ और माघ मास की नवरात्र को गुप्त नवरात्र कहा जाता है। यह काल साधना उपासना और गुप्त विद्याओं के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है।

विद्याधाम पर आज से शतचंडी अनुष्ठान का शुभारंभ: गुप्त नवरात्र के अवसर पर श्रीविद्याधाम पर बुधवार से शतचंडी अनुष्ठान प्रारंभ होगा, जिसमें 21 विद्वान नियमित रूप से भगवती मां ललितात्रिपुर सुंदरी पराम्बा की आराधना के निमित्त आहुतियां समर्पित करेंगे। घट स्थापना पुष्य नक्षत्र में सुबह 8 से 8.30 बजे के के बीच होगी। इसमें सुबह 8 बजकर 2 मिनट का समय सबसे शुभ माना गया है। अद्भुत बात यह भी है कि इस दौरान हर्षण योग का संयोग रहेगा। इस शुभकाल में की गई घट स्थापना साधक के लिए अत्यंत मंगलकारी मानी गई है। आचार्य पं. राजेश शर्मा ने बताया कि इस दौरान साधकों द्वारा गुप्त रूप से कठिन साधनाएं की जाती हैं, इसलिए इसे गुप्त नवरात्रि कहा जाता है। इस बार एक तिथि का क्षय होने से यह गुप्त नवरात्रि 8 दिनों की होकर 15 से 22 जुलाई तक प्रभावी रहेगी।

खजराना काली मंदिर में की जाएगी गुप्त साधना

खजराना काली मंदिर के पुजारी गुलशन अग्रवाल ने बताया कि यहां गुप्त साधना की जाएगी। नवमी पर विशेष पूजन और हवन होगा। विजयनगर काली माता मंदिर में शतचंडी यज्ञ, माता का विशेष श्रृंगार, प्रतिदिन महाआरती और रात्रि में मंत्र जप व शक्ति साधना के प्रबंध रहेंगे। अन्नपूर्णा मंदिर के स्वामी जयेंद्रानंद महाराज ने बताया कि भक्त दुर्गा सप्तशती का पाठ करेंगे। हरसिद्धि मंदिर के पुजारी सुनील शुक्ला ने बताया कि मंदिर में प्रतिदिन विशेष देवी पूजन, महाआरती और मनोहारी श्रृंगार किया जाएगा। आचार्य शिवप्रसाद तिवारी ने बताया कि चतुर्थी तिथि घटने के कारण पूजा के लिए आठ दिन ही मिलेंगे। 22 जुलाई को विवाह, गृह प्रवेश, मुंडन, नए प्रतिष्ठान का उद्घाटन और अन्य मांगलिक कार्यों के लिए अलग से पंचांग देखने की जरूरत नहीं होती।

3 कलेक्टर पहले दे चुके 158 विकास मंजूरी, हाईकोर्ट के आदेश से एक हुई तो विवाद क्यों

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर के तीन पूर्व कलेक्टर जिले के मास्टर प्लान दायरे में आए जिन 79 गांवों में 158 विकास मंजूरी दे चुके, उसमें अब एक मंजूरी विवाद बन रही है। हालांकि, मंजूरी हाईकोर्ट के आदेश से हुई है। मामला सांवेर तहसील के मुरादपुरा एसआर रियलिटी के गुरुकृपा टाउनशिप से जुड़ा है। इसकी विकास मंजूरी की फीस एक करोड़ 36 लाख प्रशासन द्वारा ली गई। इसके बाद विकास मंजूरी देने से मना कर दिया। मामला हाईकोर्ट इंदौर गया और वहां से 9 दिसंबर 2025 को आदेश हुए कि इसमें कानून के अनुसार फैसला लेते हुए 30 दिन में फैसला करें। इसके बाद इसमें प्रशासन ने मंजूरी नहीं दी और मप्र शासन से कलेक्टर ने दो बार पत्र लिखकर मार्गदर्शन मांगा। इसी बाच अवमानना नोटिस आया। इसके बाद 19 जून को इसकी विकास मंजूरी जारी कर दी गई।

क्या उठ रहा है विवाद-इस मामले में अब यह शिकायत इंदौर से लेकर भोपाल तक उठाई गई है कि यह गलत हुआ है और धारा 16 पर रोक है और यह मंजूरी नहीं हो सकती है। यह भी तर्क दिया गया कि इसमें तत्कालीन कलेक्टर आशीष सिंह ने 30 अप्रैल 2024 को शासन को पत्र लिखकर मार्गदर्शन मांगा था। इसके बाद से मंजूरी नहीं दी गई है। फिर यह मंजूरी क्यों दी गई है।

विवाद के पीछे के पूरे तथ्य-इस विवाद और शिकवा-शिकायतों के परे कई तथ्य है। पहली बात तो यह कि तत्कालीन कलेक्टर आशीष सिंह के पत्र 30 अप्रैल 2024 के बाद यह सिंगल मंजूरी दी गई। वजह थी हाईकोर्ट का आदेश और फिर इसमें आया अवमानना नोटिस। एक शिकायत यह है कि प्रशासन इसमें रिट अपील में क्यों नहीं गया। प्रशासन द्वारा इसमें डिप्टी एजी से विधिक सलाह ली गई थी और इसमें हाईकोर्ट के आदेशानुसार ही आगे बढ़ने के लिए कहा गया।

इंदौर के तीन कलेक्टर पहले दे चुके 158 विकास मंजूरी

इंदौर में एक जनवरी 2022 को मास्टर प्लान का दायरा बढ़ाकर 79 गांवों तक फैलाया गया। इसके बाद इन गांवों में नई मंजूरियां बंद हो गई और धारा 16 के तहत कम से कम चार हैक्टेयर जमीन पर ही नई मंजूरी देने का काम शुरू हुआ। बाद में इसमें भी विवाद हुए और नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने विधानसभा में ही बोल दिया कि अब धारा 16 में भी मंजूरी नहीं दे रहे हैं, लेकिन अब इंदौर कलेक्टोरेट कॉलोनी सेल से हुई एक मंजूरी पर विवाद हो रहा है, जो हाईकोर्ट के आदेश से हुई।

अगस्त से होंगी डीएवीवी की पूरक परीक्षाएं

सितंबर की जगह एक माह पहले होगा आयोजन

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● देवी अहिल्या विश्वविद्यालय ने स्नातक पाठ्यक्रमों की पूरक परीक्षाओं की तैयारी शुरू कर दी है। इस बार पूरक परीक्षाएं पहले की तुलना में करीब एक माह पहले आयोजित की जाएंगी। जहां पूर्व में ये परीक्षाएं सितंबर में होती थीं, वहीं अब इन्हें अगस्त के दूसरे सप्ताह से शुरू करने की योजना है। विश्वविद्यालय जल्द ही परीक्षा का टाइम टेबल जारी करेगा।

यह निर्णय उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशों के बाद लिया गया है। विभाग ने प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों को पूरक परीक्षाओं के परिणाम अक्टूबर के अंतिम सप्ताह तक जारी करने के निर्देश दिए हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए डीएवीवी ने परीक्षा कार्यक्रम को आगे बढ़ाया है, ताकि मूल्यांकन कार्य समय पर पूरा कर परिणाम घोषित किए जा सकें। बीए, बीकॉम, बीएससी, बीबीए, बीसीए सहित अन्य स्नातक पाठ्यक्रमों के प्रथम से चौथे वर्ष की मुख्य परीक्षाएं मई के अंतिम सप्ताह में आयोजित हुई थीं। इन परीक्षाओं में लगभग तीन लाख विद्यार्थी शामिल हुए थे। विश्वविद्यालय ने 45 दिनों के भीतर मूल्यांकन पूरा कर 30 जून तक दो दर्जन से अधिक पाठ्यक्रमों के परिणाम जारी कर दिए थे। इनमें करीब 15 प्रतिशत विद्यार्थियों को पूरक परीक्षा देनी है। फिलहाल विद्यार्थी पूरक परीक्षा के लिए आवेदन कर रहे हैं।

पूरक के कारण देरी-परीक्षा नियंत्रक डॉ. अशेष तिवारी के अनुसार, स्नातक तृतीय और चतुर्थ वर्ष के कई विद्यार्थियों ने स्नातकोत्तर (पीजी) पाठ्यक्रमों में प्रवेश ले लिया है, लेकिन पूरक आने के कारण कुछ छात्रों की प्रवेश प्रक्रिया लंबित है। ऐसे विद्यार्थियों को अक्टूबर तक अपनी संशोधित अंकसूची संबंधित कॉलेजों में जमा करनी होगी, तभी उनका प्रवेश नियमित माना जाएगा। विश्वविद्यालय का लक्ष्य सितंबर तक परीक्षाएं पूरी कर तुरंत मूल्यांकन शुरू करना है, ताकि परिणाम समय पर घोषित किए जा सके और विद्यार्थियों को प्रवेश व प्रमोशन में किसी प्रकार की परेशानी न हो।

जिले के 4 लाख नौनिहालों तक पहुंचेगा 'दस्तक'

31 अगस्त तक चलाया जाएगा अभियान

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● बारिश का मौसम आते ही बच्चों में डायरिया, निमोनिया और कुपोषण जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। इन्हीं चुनौतियों से निपटने के लिए मंगलवार से जिले में दस्तक अभियान की शुरुआत की गई। 31 अगस्त तक चलने वाले अभियान के जरिए स्वास्थ्य विभाग का लक्ष्य जिले के चार लाख से अधिक पांच वर्ष तक के बच्चों तक स्वास्थ्य और पोषण सेवाएं पहुंचाना है। इस अभियान में आशा, आंगनवाड़ी और एएनएम कार्यकर्ता घर-घर जाकर बच्चों की स्वास्थ्य जांच करेंगी। विशेष रूप से हाई रिस्क क्षेत्रों, शहरी मलिन बस्तियों, ईंट-भट्टों, बंजारा बस्तियों और निर्माण स्थलों पर रहने वाले परिवारों पर फोकस रहेगा, ताकि कोई भी बच्चा स्वास्थ्य सेवाओं से वंचित न रहे। अभियान के दौरान डायरिया से बचाव के लिए ओआरएस और जिंक के उपयोग के प्रति जागरूक किया जाएगा, गंभीर कुपोषित बच्चों की पहचान कर उन्हें पोषण पुनर्वास केंद्र (एनआरसी) भेजा जाएगा। साथ ही निमोनिया के शुरुआती लक्षणों की पहचान, जन्म के एक घंटे के भीतर स्तनपान, छह माह तक केवल मां का दूध और उसके बाद पूरक आहार जैसीजानकारी दी जाएगी।

350 दल जुटेंगे

स्वास्थ्य विभाग के अनुसार जिले में करीब 350 दस्तक दल अभियान में जुटेंगे। छह माह से पांच वर्ष तक के बच्चों को आयरन (आईएफए) अनुपूरण भी कराया जाएगा। अभियान के माध्यम से गंभीर रूप से बीमार और कुपोषित बच्चों की समय रहते पहचान कर उनका उपचार सुनिश्चित किया जाएगा। स्वास्थ्य अधिकारियों का कहना है कि यदि समुदाय की सक्रिय भागीदारी मिली तो यह अभियान बाल मृत्यु दर कम करने और बच्चों को स्वस्थ भविष्य देने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित होगा। बारिश के मौसम में अभिभावकों को भी बच्चों की स्वच्छता पौष्टिक आहार और समय पर इलाज के प्रति विशेष सतर्क रहने की सलाह दी है।

प्राधिकरण ने आरक्षित भूखंडों के लिए किए टेंडर जारी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर विकास प्राधिकरण ने लंबे समय बाद एक बार फिर विभिन्न योजना ओ के लिए आरक्षित भूखंडों की नीलामी शुरू कर दी है। इसके लिए टेंडर जारी कर दिए गए हैं। अपनी अलग-अलग योजनाओं में ऐसे खाली भूखंडों के लिए अब जल्द ही टेंडर जारी होने जा रहे हैं ताकि प्राधिकरण को अच्छा खासा राजस्व मिल सकता है। बताया जा रहा है कि अभी हाल ही में स्कीम नंबर 103 स्थित 3 शैक्षणिक यानी स्कूल के लिए आरक्षित भूखंडों की नीलामी के लिए टेंडर जारी कर दिए गए हैं जो अलग-अलग क्षेत्रफल यानि वर्ग मीटर में है। इसमें प्रत्येक वर्गमीटर के लिए 21 हजार 100 की गाइडलाइन है और उसी अनुसार करोड़ों रुपये विकास प्राधिकरण को नीलामी के बाद मिल सकते हैं। इसी तरह अन्य योजनाओं में भी खाली भूखंडों की नीलामी शीघ्र होने जा रही है। अब कहा जा रहा है कि स्कीम नम्बर 54, स्कीम नंबर 74, स्कीम नंबर व स्कीम नंबर 97, पार्ट 4 आदि ऐसे इलाके हैं जहां पर आरक्षित भूखंड और कमर्शियल स्तर के अस्पताल व अन्य स्कूल आदि के लिए रखे गए हैं उनकी भी नीलामी की तैयारियां की जा रही हैं।

इंदौर में अब पांच के बजाय होंगे 10 फायर स्टेशन

ट्रेंचिंग ग्राउंड फायर स्टेशन के काम में तेजी, चार और स्थानों पर ढूंढी जमीनें

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● शहर में पांच फायर स्टेशन हैं, जिन्हें बढ़ाकर अब 10 किया जा रहा है। ट्रेंचिंग ग्राउंड में नया फायर स्टेशन बनाया जा रहा है, जबकि चार और के लिए देवास नाका, स्कीम 78, एमआर 10 ब्रिज के समीप और सिरपुर बांक में जमीनें ढूंढी गई हैं, जिनकी प्रक्रियाएं चल रही है। आने वाले दिनों में जमीनें मिलने के बाद वहां भी फायर स्टेशन बनाने के काम शुरू किए जाएंगे।

अब तक शहर में वर्षों पुराने फायर स्टेशन गांधी हॉल, मोती तबेला, लक्ष्मीबाई नगर, जीएनटी मार्केट, सांवेर रोड में संचालित

होते हैं, लेकिन अब शहर में बन रही हाईराईज बिल्डिंगों और शहरी क्षेत्रफल बढ़ने के कारण कई इलाकों में फायर ब्रिगेड की दमकलें पहुंचने में काफी समय लग रहा है, इससे लोगों में नाराजगी भी सामने आती थी। कई बार दूरस्थ क्षेत्रों और कॉलोनियों में हुए अग्निकांड के लिए रवाना हुई दमकलें यातायात के कारण समय पर नहीं पहुंच पातीं, जिससे जान-माल का नुकसान ज्यादा हो रहा था। इसी के चलते निगम द्वारा फायर स्टेशनों की संख्या दोगुना की जा रही है। अधिकारियों के मुताबिक इसके लिए सभी झोनलों को अलग-अलग स्थानों पर जमीनें ढूंढने को कहा गया था। इनमें कुछ जमीनें मिल गई हैं, जिनमें कुछ तो निगम की है और कुछ प्रशासन की है।

80 लाख से लेकर 4 करोड़ तक के फायर स्टेशन

नगर निगम ट्रेंचिंग ग्राउंड में 80 लाख की लागत से नया फायर स्टेशन बना रहा है। इसके अलावा अन्य स्थानों पर बनने वाले फायर स्टेशनों के लिए बड़ी राशि खर्च होगी। अफसरों का कहना है कि बड़े फायर स्टेशन दो से लेकर चार करोड तक में बनेंगे। इसके साथ-साथ वहां कई फायरकर्मियों की तैनाती की जाएगी। इसके लिए नई भर्ती भी होगी, क्योंकि वर्तमान में फायर स्टेशनों पर स्टाफ की कमी है। इसके अलावा फायर ब्रिगेड की कई नई दमकलें और अत्याधुनिक संसाधन भी खरीदे जाएंगे।

ट्रांसफर आदेशों पर 'ब्रेक'!

विभागीय अनुशासन पर उठे सवाल

आशीष गुप्ता : 9425064357

इंदौर ● दैनिक इंदौर संकेत

सीएम की मंजूरी, फिर भी नहीं छोड़ी कुर्सी

शिक्षा विभाग में इन दिनों एक अजीब स्थिति देखने को मिल रही है। शासन के तबादला आदेश लागू कराने की जिम्मेदारी जिस विभाग पर है, वहीं उसके कर्मचारी आदेशों को ठंडे बस्ते में डालने में जुटे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंजूरी और प्रभारी मंत्री की सहमति से जारी स्थानांतरण सूची के बाद भी कई बाबू और चपरासी नई पदस्थापना पर जाने के बजाय अपनी पुरानी कुर्सियां बचाने की जुगत में लगे हैं। सवाल यह है कि यदि शासन के आदेशों का पालन ही नहीं होगा, तो स्थानांतरण नीति का औचित्य क्या रह जाएगा?

विभागीय सूत्रों के अनुसार, जिले में स्थानांतरण नीति-2026 के तहत 25 बाबुओं और 36 चपरासियों के तबादले किए गए थे। सामान्यत: स्थानांतरण आदेश के बाद संबंधित कर्मचारी को तत्काल कार्यमुक्त होकर नई जगह कार्यभार ग्रहण करना होता है, लेकिन यहां तस्वीर उलटी दिखाई दे रही है। एक दर्जन से अधिक कर्मचारी अब भी पुराने कार्यालयों और स्कूलों में जमे हुए हैं।

इसमें भी सेटिंग का खेला जारी!

ट्रांसफर निरस्त के इस खेल में डीईओ ऑफिस के एक बाबू का खेला भी चल रहा है इसमें जेडी ऑफिस के दो लिपिक भी शामिल है। अति विश्वनीय सूत्रों के अनुसार निरस्ती चाहने वाले 2/3 लिपिकों से लंबा खेला खेलने की खबर है। बाबुओं का यह गुट कतिपय लिपिकों को हटाने या उनके निरस्ती के लिए भ्रामक आधारों का सहारा लेने से भी नहीं चूक रहा है।

आदेश पर आदेश... फिर भी नहीं हिले : स्थिति को देखते हुए जिला शिक्षा अधिकारी शौर्य मल्होत्रा ने पहले सभी स्थानांतरित कर्मचारियों को तत्काल जॉइनिंग के निर्देश दिए। आदेश का असर नहीं हुआ तो दूसरा आदेश जारी कर सभी प्राचार्यों को दो दिन के भीतर कर्मचारियों को ऑनलाइन रिलीव करने के निर्देश दिए गए। साफ कहा गया कि केवल डीडीओ लॉगिन से ऑनलाइन कार्यमुक्ति ही मान्य होगी। इसके बावजूद कई कर्मचारी अब तक न तो रिलीव हुए और न ही नई जगह पहुंचे।

राजनीतिक दरवाजों पर दस्तक : सूत्र बताते हैं कि कई कर्मचारी अब विभाग के बजाय नेताओं के दरवाजे खटखटा रहे हैं। विधायक और अन्य जनप्रतिनिधियों से सिफारिशी पत्र लेकर तबादला निरस्त कराने या रोकने की कोशिशें तेज हैं। कुछ कर्मचारियों ने बीमारी और पारिवारिक कारणों का हवाला देकर भी आवेदन लगाए हैं। हालांकि विभाग का कहना है कि ऐसे सभी मामलों में निर्णय केवल शासन के नियमों के अनुसार ही होगा।

सीधी बात : डीईओ शौर्य मल्होत्रा

● **प्रश्न :** कलेक्टर के अनुमोदन के बाद भी कई कर्मचारी अब तक नई जगह ज्वाइन नहीं कर पाए हैं। क्या यह मुख्यमंत्री के ट्रांसफर संबंधी निर्देशों की अनदेखी नहीं है?

डीईओ शौर्य मल्होत्रा : शिक्षा विभाग ने ट्रांसफर आदेशों के खिलाफ दावा-आपत्ति दर्ज कराने के लिए 15 जुलाई तक का समय दिया है। इसलिए जिन कर्मचारियों ने दावा-आपत्ति लगाई है, उन्हें फिलहाल रिलीव नहीं किया गया है। इसके अलावा करीब 10 कर्मचारियों की ड्यूटी जनगणना कार्य में लगी हुई है, इसलिए उन्हें भी अभी रिलीव नहीं किया जा सका है।

● **प्रश्न :** दावा-आपत्ति की समय-सीमा समाप्त होने के बाद क्या कार्रवाई होगी?

डीईओ शौर्य मल्होत्रा : 15 जुलाई के बाद दावा-आपत्तियों का निराकरण किया जाएगा। जिन मामलों में ट्रांसफर आदेश यथावत रहेंगे, संबंधित कर्मचारियों को तत्काल रिलीव कर नई पदस्थापना पर भेजा जाएगा।

● **प्रश्न :** यदि इसके बाद भी कोई कर्मचारी रिलीव नहीं होता या नई जगह ज्वाइन नहीं करता है तो क्या कार्रवाई होगी?

डीईओ शौर्य मल्होत्रा : विभागीय नियमों के अनुसार ऐसे मामलों में आवश्यक प्रशासनिक और अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। शासन के निर्देशों का पालन सभी कर्मचारियों को करना होगा।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक : **अक्षय तिवारी** द्वारा मेसर्स डी.बी. कार्प लिमि. 44-45/ए, 50-51/ए, सेक्टर एफ इंडस्ट्रीयल एरिया, सांवेर रोड़, इंदौर (मप्र)- 452008 से मुद्रित एवं 5/6, नार्थ राजमोहल्ला (गुरूद्वारे के सामने), इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। **आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650**
सभी विवादों के लिए न्याय क्षेत्र केवल इंदौर रहेगा। समाचार पत्र में व्यक्तिगत नाम से प्रकाशित खबर एवं आलेख के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे।